श्रावण शुक्ल - 9 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 12 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » रविवार » 03-08-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 'ऑपरेशन सिंदूर' में चोट कराची को लगी, चीख कांग्रेस की निकली: नकवी

6 हवलदार संजय कुमार : गोली लगने से भी नहीं डगमगाए कदम, उग्रवादियों का खात्मा करके ही लिया दम

7 मालेगांव मामले में नरेन्द्र मोदी का नाम लेने को कहा गया : प्रज्ञा सिंह ठाकुर

फर्स्ट टेक

'जेड-10एमई' पाकिस्तानी सेना में शामिल

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान ने सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण के प्रयासों के तहत शनिवार को अपनी सेना विमानन सेवा में अत्याधुनिक लड़ाकू हेलीकॉप्टर 'जेड-10एमई' को शामिल किया। सेना के अनुसार, यहां से लगभग 550 किलोमीटर दूर मुल्तान में आयोजित समारोह की अध्यक्षता सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने की। सेना ने कहा, यह अत्याधुनिक और हर मौसम में काम करने योग्य हेलीकॉप्टर दिन और रात के समय सटीक हमला करने में सक्षम है। उन्नत रडार प्रणालियों और अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक युद्ध उपकरणों से लैस जेड-10एमई विविध हवाई और जमीनी खतरों से निपटने की सेना की क्षमता को और बढ़ाएगा।

बिहार में पुल का एक हिस्सा ढहा, कोई हताहत नहीं

पटना/भाषा। बिहार के जमुई जिले में उलई नदी पर बने पुराने और बंद पड़े पुल का एक हिस्सा ढह गया। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घटना में किसी के हताहत होने या घायल होने की खबर नहीं है। जमुई के जिलाधिकारी नवीन ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, शुक्रवार को जमुई के बाहरी इलाके में नदी पर बने छोटे पुल का एक हिस्सा ढह गया। पिछले साल इसे यातायात के लिए बंद कर दिया गया था। नदी पर एक नया पुल बनाया जा रहा है। बिहार में 2024 में विभिन्न जिलों में कई बड़े और छोटे पुल ढहने की घटनाएं हुईं।

कुलगाम में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में सुरक्षाबलों के साथ शनिवार को मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी मिलने के बाद सुरक्षाबलों ने दक्षिण कश्मीर जिले के अखल के वन क्षेत्र में घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू किया था, जिसके बाद रात में दोनों के बीच मुठभेड़ शुरू हुई। उन्होंने बताया कि शुरुआत में आतंकवादियों और सुरक्षाबलों के बीच गोलीबारी शुरू होने के बाद रात में अभियान को रोक दिया गया था। उन्होंने बताया कि घेराबंदी को मजबूत किया गया तथा क्षेत्र में अतिरिक्त बल को भी तैनात किया गया। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच शनिवार सुबह गोलीबारी फिर शुरू हुई, जिसमें दो आतंकवादियों को ढेर कर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि मारे गए आतंकवादियों की पहचान और उनके संगठन का पता लगाया जा रहा है। मुठभेड़ अब भी जारी है।

03-08-2025 सूर्यास्त 6:35 बजे | 04-08-2025 सूर्योदय 5:54 बजे

BSE	NSE
80,599.91	24,565.35
(-585.67)	(-203.00)

सोना	चांदी
10,345 रु.	127,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

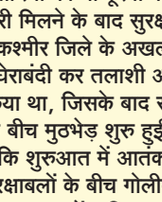

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

तंत्र-मंत्र-यंत्र

ना मिला किसीको मोक्ष आज तक,
झाड़फूंक या तंत्रों से।
ना प्राण प्रतिष्ठा हुई कभी,
पूजाओं स या मंत्रों से।
ना मिली सफलता शत प्रतिशत,
गण्डे ताबीजों यंत्रों से।
ये सारे धंधे चलते हैं,
केवल भय या षड़यंत्रों से।।

बलात्कार के मामले में जद(एस) के पूर्व सांसद

प्रज्ज्वल रेवन्ना को आजीवन कारावास की सजा

- अदालत ने प्रज्ज्वल रेवन्ना पर कुल 10 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया।
- अदालत ने शुक्रवार को 34 वर्षीय रेवन्ना को उसके खिलाफ दर्ज यौन शोषण और बलात्कार के चार मामलों में से एक में दोषी ठहराया था।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक में यहां की एक विशेष अदालत ने पूर्व सांसद एवं जनता दल (सेक्युलर) के निलंबित नेता प्रज्ञवल रेवन्ना को बलात्कार के एक मामले में शनिवार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। सांसदों/विधायकों के लिए विशेष अदालत के न्यायाधीश संतोष गजानन भट ने दोषी पर कुल 10 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया।

अदालत ने शुक्रवार को 34 वर्षीय रेवन्ना को उसके खिलाफ दर्ज यौन शोषण और बलात्कार के चार मामलों में से एक में दोषी ठहराया था। यह मामला 48 वर्षीय उस महिला से जुड़ा है, जो हासन जिले के होलेनरसीपुरा में स्थित रेवन्ना परिवार के गन्निकाडा फार्महाउस में सहायिका के रूप में काम

करती थी। वर्ष 2021 में उसके साथ दो बार बलात्कार किया गया था और आरोपी ने इस कृत्य को अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर लिया था।

इससे पहले दिन में रेवन्ना ने कम सजा दिए जाने की अपील की और दावा किया कि उसने कुछ भी गलत नहीं किया।

जद(एस) के निलंबित नेता ने अदालत से कहा कि वह मेकैनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक की पढ़ाई कर चुका है और हमेशा योग्यता के आधार पर उत्तीर्ण हुआ है। पूर्व सांसद ने कहा, ...वे कहते हैं कि मैंने कई महिलाओं के साथ बलात्कार किया है, लेकिन कोई भी महिला स्वेच्छा से शिकायत करने नहीं आई है, वे चुनाव (पिछले साल लोकसभा चुनाव) से छह दिन पहले आई थीं... अभियोजन पक्ष उन्हें जानबूझकर लेकर आया और शिकायत दर्ज करवाई।

चुनाव आयोग की हकीकत पूरे देश को बताएंगे : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि चुनाव आयोग की गतिविधियों पर उन्हें 2014 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को मिली जबरदस्त जीत के बाद से ही संदेह पैदा हो गया था और जब उन्होंने इसकी सच्चाई जानने का प्रयास किया तो जो हकीकत सामने आयी उसको वह पूरे देश को अवगत कराएंगे।

गांधी ने शनिवार को यहां विज्ञान भवन में पार्टी के विधि विभाग के वार्षिक अधिवेशन को संबोधित करते हुए कहा कि 2014 से ही उन्हें चुनाव प्रणाली पर संदेह हो रहा है। उस समय भाजपा का इतनी बड़ी जीत हासिल करने पर उन्हें बहुत आश्चर्य हुआ था। बाद में भी इसी तरह की स्थिति वह देखते रहे हैं। उन्होंने कहा, महाराष्ट्र में जो हुआ, उसने मुझे इस मुद्दे को गंभीरता से लेने पर मजबूर कर दिया। मैं बिना सबूत के कुछ नहीं कह सकता था लेकिन अब मैं बिना किसी संदेह के कहता हूँ कि हमारे पास सबूत हैं। हम पूरे देश को दिखाएंगे कि चुनाव आयोग जैसी संस्था ठीक से काम नहीं करती है। उसने समझौता किया है। हमें सबूत ढूँढने में छह महीने ज़रूर लग गए लेकिन आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि आयोग द्वारा उपलब्ध कराए गए दस्तावेज़ों को स्कैन या कॉपी नहीं किया जा सकता। सवाल है कि चुनाव आयोग मतदाता सूची पर स्कैन और कॉपी सुरक्षा क्यों लागू करता है।

निर्वाचन आयोग ने राहुल गांधी के लोकसभा चुनाव में धांधली के दावे का खंडन किया

नई दिल्ली/भाषा। निर्वाचन आयोग ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के 2024 के लोकसभा चुनाव में धांधली के दावों को शनिवार को खारिज करते हुए कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि इन ''निराधार आरोपों'' का उद्देश्य चुनाव मशीनरी पर अनुचित दबाव डालना और यहां तक कि चुनाव अधिकारियों को धमकाना है। लोकसभा में विपक्ष के नेता गांधी ने यहां कांग्रेस के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कर्नाटक के एक विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस द्वारा एकत्र किए गए आंकड़ों का हवाला दिया, जहां पार्टी ने मतदाताओं की तस्वीरों और नामों की भौतिक रूप से जांच की और कथित तौर पर पाया कि कुल 6.5 लाख मतदाताओं में से 1.5 लाख मत ''फर्जी'' थे। गांधी ने कहा, ''भारत में चुनाव प्रणाली समाप्त हो चुकी है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि लोकसभा चुनावों में धांधली हुई थी।

निर्वाचन आयोग ने 'एक्स' पर एक ''फैक्ट-चेक'' पोस्ट में कहा कि गांधी के बयान ''भ्रामक और निराधार हैं''। इसने कहा कि लोकसभा-2024 के लिए मतदाता सूची तैयार करने के दौरान, मसौदा और अंतिम दोनों मतदाता सूचियां कांग्रेस समेत सभी राजनीतिक दलों के साथ साझा की गईं थी और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के प्रावधानों के तहत अपील योग्य थीं।

राजनाथ ने राहुल को दी निर्वाचन आयोग के खिलाफ 'सबूतों का एटम बम' फोड़ने की चुनौती

- विपक्ष के नेता को किसी संवैधानिक संस्था के बारे में निम्न स्तर की बयानबाजी करना शोभा नहीं देता।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने निर्वाचन आयोग पर बिहार में ''वोट चोरी'' का आरोप लगाने के लिए शनिवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी की आलोचना की।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने दावा किया है कि निर्वाचन आयोग बिहार में 'वोट चोरी' में शामिल है और इस बारे में उनके पास ऐसा पुख्ता सबूत है, जो 'एटम बम' की तरह है, जिसके फटने पर आयोग को कहीं छिपने की जगह नहीं मिलेगी।

पटना में एक मीडिया संस्थान द्वारा आयोजित

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सिंह ने आगामी विधानसभा चुनावों की तुलना एक चौराहे से की, जिसमें एक रास्ता (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के तहत) आगे की प्रगति की ओर ले जाता है और दूसरा ('इंडि' गठबंधन के तहत) बिहार को अराजकता और जाति संघर्ष के पुराने दौर में वापस ले जाता है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता सिंह ने कटाक्ष करते हुए कहा, राहुल गांधी कहते हैं कि उनके पास एटम बम है। अगर ऐसा है, तो उन्हें तुरंत उसे फोड़ देना चाहिए। उन्हें बस यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वह खुद खतरे से दूर रहें। सिंह ने कहा कि देश को राहुल गांधी के पिछले बयानों की याद है। रक्षा मंत्री ने कहा, उन्होंने (राहुल) संसद में भूकंप आने की धमकी दी थी, लेकिन जब उन्होंने अपनी बात रखी, तो वह एक बेकार बात साबित हुई।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत का निर्वाचन आयोग एक ऐसी संस्था है, जो निर्विवाद ईमानदारी के लिए प्रतिष्ठित है।

सिंह ने कहा, राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से कराने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। विपक्ष के नेता को किसी संवैधानिक संस्था के बारे में निम्न स्तर की बयानबाजी करना शोभा नहीं देता।

सिंह ने कांग्रेस नेता को याद दिलाया कि उनकी अपनी पार्टी के हाथ खून से रंगे हैं, जिन्होंने 1975 में आपातकाल लगाकर लोकतंत्र की हत्या करने की कोशिश की थी।

हमारे किसान, उद्योग, नौजवानों के रोजगार, हमारे लिए सबसे ऊपर : मोदी

अब हम उन वस्तुओं को खरीदेंगे, जिसे बनाने में किसी न किसी भारतीय का पसीना बहा है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाराणसी/भाषा। विश्व की अस्थिर अर्थव्यवस्था के प्रति चिंता जताते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि हमारे किसान, हमारे लघु उदयोग, हमारे नौजवानों के रोजगार, इनका हित हमारे लिए सबसे ऊपर है। उन्होंने आगे कहा, 'इसलिए अब हम उन वस्तुओं को खरीदेंगे, जिसे बनाने में किसी न किसी भारतीय का पसीना बहा है।

प्रधानमंत्री ने करीब 53 मिनट के अपने भाषण के अंतिम छह मिनट में भारत की अर्थव्यवस्था और स्वदेशी का उल्लेख किया।

मोदी ने अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, 'आज जब हम आर्थिक प्रगति की बात कर रहे है, तो मैं आपका ध्यान वैश्विक हालात पर ले जाना चाहता हूं। आज दुनिया की अर्थव्यवस्था कई आशंकाओं से गुजर रही हैं। अस्थिरता का माहौल है। ऐसे में दुनिया के देश अपने-अपने हितों पर ध्यान दे रहे है।

मोदी ने कहा, 'भारत भी दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। इसलिए भारत को भी अपने आर्थिक हितों को लेकर सजग रहना ही है। हमारे किसान, हमारे लघु उदयोग, हमारे नौजवानों के रोजगार, इनका हित हमारे लिए सर्वोपरि हैं। सरकार इस दिशा में हर प्रयास कर रही है। लेकिन देश के नागरिक के रूप में भी हमारे कुछ दायित्व है। यह बात सिर्फ मोदी नहीं, हिंदुस्तान के हर व्यक्ति को दिन में हर पल बोलते रहना चाहिए। उन्होंने कहा, 'कोई भी राजनीतिक दल हो, कोई भी राजनेता हो, उसे अपने संकोच को छोड़कर के देशहित में देशवासियों के अंदर स्वदेशी के संकल्प का भाव जगाना होगा।

प्रधानमंत्री ने कहा, 'हम उन वस्तुओं को खरीदेंगे, जिसे बनाने में किसी न किसी भारतीय का पसीना बहा है। वह वस्तु भारत के लोगों ने बनाई है, भारत के लोगों के कौशल से बनी है। भारत के लोगों के पसीने से बनी है। हमें 'वोकल फार लोकल' मंत्र को अपनाना होगा।

मोदी ने कहा, 'हमारे घर में जो भी नया सामान आयेगा, वह स्वदेशी ही होगा। यह जिम्मेदारी हर देशवासी को लेनी होगी। उन्होंने व्यापारियों से स्वदेशी माल ही बेचने का अनुरोध किया।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता बाबा विश्वनाथ को समर्पित : मोदी

वाराणसी/भाषा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पाकिस्तान के खिलाफ हाल ही भारत की सैन्य कार्रवाई 'आपरेशन सिंदूर' की सफलता को आदिदेव महादेव बाबा विश्वनाथ को समर्पित किया। उन्होने सेवापुरी में अपनी जनसभा की शुरुआत महादेव के उद्घोष के साथ की। उन्होंने कहा कि सावन के पावन महीने में अपने परिवारजनों से मिलने का अवसर प्राप्त हुआ। प्रधानमंत्री ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर के बाद मैं पहली बार काशी आया हूं। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की हत्या कर दी गई थी। पीड़ित परिवारों की वेदना और दुख ने मेरे मन को व्यथित कर दिया। मैंने बाबा विश्वनाथ से प्रार्थना की थी कि वे हमें यह दुख सहने की शक्ति प्रदान करें। बेटियों के सिंदूर का बदला लेना महादेव के आशीर्वाद से संभव हुआ। इस सफलता को मैं बाबा विश्वनाथ के चरणों में समर्पित करता हूं।

भारत को स्पेन से एयरबस सी-295 सैन्य परिवहन विमान प्राप्त हुआ

लंदन/भाषा। स्पेन स्थित भारतीय दूतावास ने कहा कि भारत को शनिवार को स्पेन से 16 एयरबस सी-295 सैन्य परिवहन विमानों में से अंतिम विमान प्राप्त हुआ, जो उसकी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। समकालीन प्रौद्योगिकी से युक्त 5-10 टन क्षमता वाला परिवहन विमान सी-295, भारतीय वायुसेना के पुराने एवरो विमान की जगह लेगा। स्पेन में भारतीय राजदूत दिनेश के पटनायक ने भारतीय वायुसेना के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सेविले में एयरबस डिफेंस एंड स्पेस असेंबली लाइन पर 16 एयरबस सी-295 सैन्य परिवहन विमानों में से अंतिम विमान प्राप्त किया, भारतीय मिशन ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। इसमें कहा गया है, निर्धारित समय से दो महीने पहले की गई यह आपूर्ति भारत की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

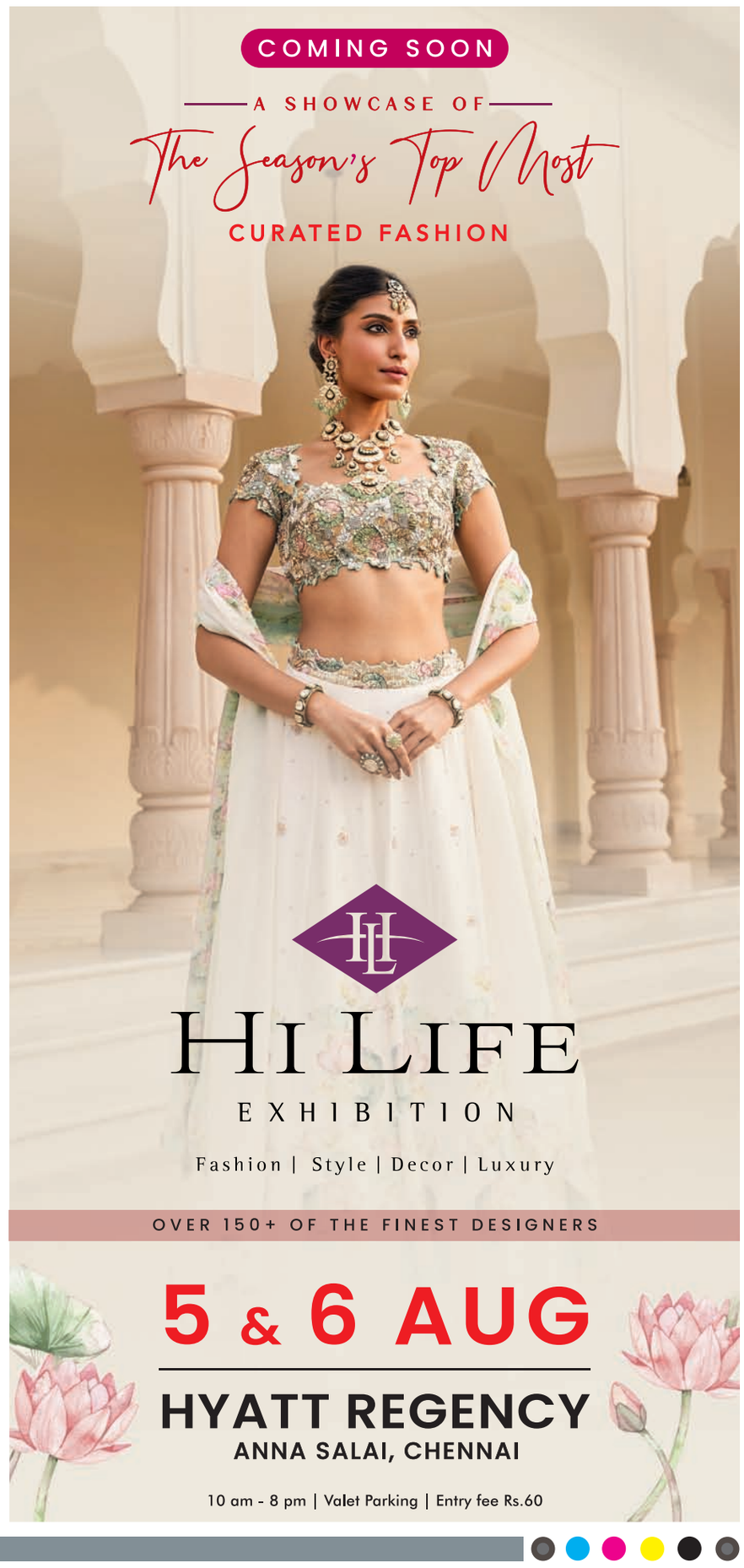

सहज स्मृति योग

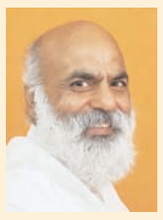

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं **guruji@darpanfoundation.com** पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, चाहे पूर्व हो या पश्चिम, उत्तर हो या दक्षिण, आध्यात्मिक यात्रा या साधना तो सभी जगह एक जैसी ही है या कोई अंतर है ?

उत्तर: न जाने 'एक जैसी' से आपका क्या तात्पर्य है ? संसार में अनेक प्रकार से लोग जीवन जीते हैं अनेक प्रकार की साधनाएँ करते हैं अनेक रिलीज़न, मज़हब, मत-मतांतर हैं। यदि अज्ञात की बात छोड़ भी दें तो भी मानव जाति के ज्ञात इतिहास के अध्ययन से भी स्पष्ट होता है कि समय के विभिन्न काल खंडों में मानव द्वारा उनका जीवन विभिन्न प्रकार की चर्याओं में जीया जाता रहा है पर, जीवन की तरह साधना भी प्रत्येक के लिए नितांत व्यक्तिगत यात्रा होती है। ठीक वैसे ही जैसे जीवन हरेक के लिए एक जैसा होते हुए भी हरेक के लिए नितांत अद्वतीय अनुभव होता है। उसी प्रकार साधना विविध और भिन्न होते हुए भी एक ही होती है। वह जीवन का पर्याय होती है। जो साधना साधक के जीवन का पर्याय नहीं, जीवन में जीवात्मा द्वारा किया जाता हुआ वह कार्य या क्रिया साधना नहीं बल्कि रूढ़ि पालन भर होता है। किंतु, जैसे जीवन सभी मनुष्यों में एक जैसा होते हुए भी हरेक के लिए नितांत निजी अर्थात विविधता पूर्ण होता है वैसे ही साधना विविधता पूर्ण होते हुए भी एक ही है।

केंद्र उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए प्रयास कर रहा : चौहान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को कहा कि केंद्र सरकार उर्वरकों की समय पर और पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने और प्रति हेक्टेयर कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए प्रयास कर रही है।

चौहान ने यहां प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त जारी करने के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, देश के किसानों का हित हमारे लिए सर्वोपरि है। कृषि मंत्री के रूप में किसानों की सेवा करना मेरे लिए ईश्वर की पूजा के समान है। कृषि भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और किसान उसकी आत्मा। उन्होंने प्रधानमंत्री धन-धान्य योजना जैसी पहल के माध्यम से, विशेष रूप से कम उपज वाले क्षेत्रों में, प्रति हेक्टेयर कृषि उत्पादकता बढ़ाने के प्रयासों पर जोर दिया।

चौहान ने किसानों को उर्वरकों और कीटनाशकों की समय पर और पर्याप्त उपलब्धता का आश्वासन भी दिया तथा फसल नुकसान की भरपाई के लिए विभिन्न योजनाओं पर जोर दिया। उन्होंने कहा, कृषि क्षेत्र में अनुसंधान की दिशा अब दिल्ली से नहीं, बल्कि गांवों और किसानों के खेतों से तय होगी। हमारे प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता खेती को और अधिक लाभदायक बनाने की है। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ने कहा, पीएम किसान योजना के तहत 3.77 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि पहले ही किसानों के खातों में सीधे हस्तांतरित की जा चुकी है। उन्होंने मखाना उत्पादन में बिहार के महत्वपूर्ण योगदान तथा कृषि विज्ञान और कृषि पद्धतियों के बीच की खाई को पाटने के लिए किए जा रहे निरंतर प्रयासों पर भी प्रकाश डाला। चौहान ने कहा कि अब फसलों की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर की जाती है, जिसमें उत्पादन लागत पर 50 प्रतिशत लाभ मार्जिन शामिल होता है, जो सरकार के किसान-केंद्रित दृष्टिकोण को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठा रही है कि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) प्रणाली के माध्यम से वित्तीय सहायता किसानों के बैंक खातों तक पहुंचे। उन्होंने कहा, उदाहरण के लिए, पहले जब एक रुपया भेजा जाता था, तो उसका केवल एक हिस्सा ही किसान तक पहुंचता था। अब पूरी राशि किसान के पास जाती है। बिहार की ज्ञान-विरासत की सराहना करते हुए उन्होंने कहा, इस राज्य के मेहनती लोग बेमिसाल हैं। यह वही धरती है, जिसने महात्मा गांधी के चंपारण सत्याग्रह को देखा, जिसने भारत के स्वतंत्रता संग्राम को एक नई दिशा दी।

केदारनाथ की तीर्थयात्रा पैदल मार्ग से पुनः शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रुद्रप्रयाग/भाषा। कुछ दिनों तक बंद रहने के बाद केदारनाथ की तीर्थयात्रा पैदल मार्ग से शनिवार को पुन: शुरू हो गई।

रुद्रप्रयाग के पुलिस अधीक्षक अक्षय प्रह्लाद कोंडे ने बताया कि पैदल श्रद्धालुओं के लिए बनी सड़क को शनिवार को काफी हद तक चलने लायक कर दिया गया जिसके बाद तीर्थयात्रियों के एक समूह को सोनप्रयाग से गौरीकुंड के रास्ते केदारनाथ भेजा गया।

उन्होंने बताया कि हालांकि मंदिर जाने वाला राष्ट्रीय राजमार्ग सोनप्रयाग और गौरीकुंड के बीच अब भी बंद है और लोक निर्माण विभाग इसे खोलने के प्रयास कर रहा है। उन्होंने बताया कि जब तक राजमार्ग बहाल नहीं हो जाता, तीर्थयात्रियों को केदारनाथ पहुंचने के लिए 22 किलोमीटर पैदल चलना पड़ेगा।

सोनप्रयाग और गौरीकुंड के बीच मनकुटिया में भूस्खलन के कारण राजमार्ग अवरुद्ध होने के बाद 30 जुलाई को पैदल मार्ग से केदारनाथ की तीर्थयात्रा अस्थायी रूप से रोक दी गई थी।

केवल वापस आने वाले तीर्थयात्रियों को सुरक्षा बलों की मदद से वैकल्पिक पैदल मार्ग से लाया जा रहा है।

कोंडे ने बताया कि अगर बारिश होती है तो सुरक्षा मद्देनजर श्रद्धालुओं की आवाजाही अस्थायी रूप से रोक दी जाएगी। उन्होंने तीर्थयात्रियों से मौसम की स्थिति की जानकारी लेने के बाद ही यात्रा करने की अपील की।

धर्म हर व्यक्ति का निजी मामला होना चाहिए: सुक्खू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने शनिवार को कहा कि धर्म प्रत्येक व्यक्ति का निजी मामला होना चाहिए और सरकार को अपना दृष्टिकोण धर्मनिरपेक्ष रखना चाहिए।

'संवैधानिक चुनौतियां: परिप्रेक्ष्य और मार्ग' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में 'धर्म और संविधान: सुरक्षा और दिशानिर्देश' विषय संबंधी दूसरे सत्र की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने कहा कि प्रत्येक धर्म का सम्मान किया जाना चाहिए और शांति एवं भाईचारे की प्राचीन परंपराओं को कायम रखा जाना चाहिए। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे देश में हर धर्म का सम्मान किया जाता है और एकता एवं भाईचारे की हमारी समृद्ध परंपराओं का आधार यही है। उन्होंने कहा, हम अपनी धार्मिक सहिष्णुता के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने कहा कि समृद्ध मूल्यों के अभाव में समाज में हिंसा और संघर्ष उत्पन्न होने की आशंका हमेशा बनी रहती है। सुक्खू ने कहा कि धर्म हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और यह अनादि काल से मानव समाज के अस्तित्व के केंद्र में रहा है। उन्होंने कहा कि धर्म का इस्तेमाल लोगों को बांटने के लिए नहीं किया जाना चाहिए और धर्म को राजनीति से अलग करने का हर संभव प्रयास किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई भी धर्म दूसरे के विरुद्ध नहीं भड़काता। मुख्यमंत्री ने कहा, जो लोग हमेशा हमारी प्राचीन सभ्यता पर गर्व करते हैं, वे हमारी धर्मनिरपेक्षता और धार्मिक स्वतंत्रता के मौलिक औचित्य को क्यों नहीं समझते? मुख्यमंत्री ने कहा, अगर हम धार्मिक स्वतंत्रता प्रदान करते हैं, तो हम एकता भी प्रदान करते हैं।

न्यायमूर्ति मनमोहन ने दिव्यांग लोगों के अधिकारों को लेकर जागरूकता फैलाने का आह्वान किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश मनमोहन ने दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकारों के बारे में संवेदनशीलता और जागरूकता पैदा करने की आवश्यकता पर शनिवार को प्रकाश डाला।

न्यायमूर्ति मनमोहन ने कहा कि अदालतों ने दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकारों से संबंधित मुद्दों पर निर्णय दिए हैं और आगे भी देंगे, लेकिन राज्य के अन्य अंगों को भी इस मुद्दे पर आगे आना होगा। न्यायमूर्ति मनमोहन 'जजिंग एंड लायरिंग एट द मार्जिंस डिसेबिलिटी राइट्स एंड बियॉन्ड' विषय पर यहां आयोजित एक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। यह सम्मेलन न्यायमूर्ति सुनंदा भंडारे फाउंडेशन द्वारा काबल के सहयोग से आयोजित किया गया।

निर्णयों के क्रियान्वयन से संबंधित मुद्दे के बारे में पूछे जाने पर न्यायमूर्ति मनमोहन ने कहा, समय की मांग संवेदनशीलता और जागरूकता पैदा करने की है। मेरा मानना है कि अधिनियम के बारे में, उपलब्ध अधिकारों के बारे में जितनी अधिक जागरूकता होगी, उतना ही अधिक समाज समझेगा, उतना ही अधिक अदालतें समझेंगी और इससे अधिक अनुपालन सुनिश्चित होगा।

उन्होंने अदालती फैसलों के अनुपालन के लिए अदालत द्वारा निरंतर निगरानी के मुद्दे पर भी बात की।

प्रौद्योगिकी भौगोलिक बाधाओं को खत्म कर सकती है: न्यायमूर्ति सूर्यकांत

चंडीगढ़/भाषा। उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने शनिवार को इस बात पर जोर दिया कि प्रौद्योगिकी बाधाओं को खत्म कर सकती है और कानूनी सहायता को प्रत्येक नागरिक के दरवाजे तक पहुंचा सकती है। उन्होंने कहा कि यदि इसका समावेशी ढंग से उपयोग किया जाए तो यह न्यायिक प्रणाली में मौजूद खामियों को पाट सकती है। उन्होंने कहा कि डिजिटल विभाजन बहुत वास्तविक है और इस बात पर जोर दिया कि हमारे सामने कार्य केवल डिजिटल समाधान तैयार करना नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि ये समाधान समावेशी हों।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत हरियाणा के फरीदाबाद स्थित मानव रचना विश्वविद्यालय में 'अंतर को पाटना: भारत में समावेशी न्याय के लिए डिजिटल युग में कानूनी सहायता की पुनर्कल्पना' विषय पर 'न्यायमूर्ति आर सी लाहोटी स्मृति व्याख्यान' दे रहे थे। उन्होंने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 39ए में राज्य से निशुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराने का आह्वान किया गया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आर्थिक या अन्य अक्षमताओं के कारण किसी भी नागरिक को न्याय से वंचित न होना पड़े। उन्होंने कहा कि भारत उन कुछ देशों में से है, जिन्होंने संवैधानिक रूप से कानूनी सहायता को अनिवार्य बना दिया है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा, फिर भी, कटु सत्य यह है कि हमारी आबादी के विशाल वर्ग – ग्रामीण नागरिक, शहरी गरीब, महिलाएं, बच्चे, दिव्यांगजन, बुजुर्ग – को न्याय पाने में अभी भी कठिन बाधाओं का सामना करना पड़ता है।

'अरावली जू सफारी प्रोजेक्ट' में कोई बाधा नहीं आएगी : भूपेन्द्र यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/गुरुग्राम/भाषा। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने शनिवार को कहा कि हरियाणा के अरावली क्षेत्र में प्रस्तावित जू सफारी प्रोजेक्ट'' में कोई रुकावट नहीं आएगी क्योंकि इसे केंद्र सरकार और राज्य सरकार दोनों का पूरा समर्थन प्राप्त है।

केंद्र और हरियाणा सरकार संयुक्त रूप से विश्व का सबसे बड़ा जंगल सफारी पार्क तैयार कर रही है, जो दिल्ली के निकट गुरुग्राम और नूह जिलों की अरावली पहाड़ियों में 10,000 एकड़ में फैला हुआ है। भूपेंद्र यादव ने कहा, हम भाग्यशाली हैं कि हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर केंद्र सरकार में ऊर्जा मंत्री हैं। मैं केंद्रीय वन मंत्री हूं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और राज्य के वन मंत्री राव नरबीर सिंह हरियाणा में हैं। परियोजना का काम कहीं नहीं रुकेगा। यह बिना किसी बाधा के जारी रहेगा।

इससे पहले, पूर्व वन अधिकारियों और पर्यावरणविदों के एक समूह ने यादव को पत्र लिखकर चिंता व्यक्त की थी कि इस परियोजना से प्राकृतिक आवासों को नुकसान पहुंचेगा, अपशिष्ट उत्पादन में वृद्धि होगी और क्षेत्र का नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र भी प्रभावित होगा। यादव गुरुग्राम में 'मैत्री वन' का उद्घाटन करने के बाद बोल रहे थे। उन्होंने कहा, हमने गुरुग्राम जैसे बड़े शहर बसाए हैं और अंधाधुंध ऊर्जा और पानी की खपत कर रहे हैं।

मालेगांव विस्फोट मामले में अदालत ने कहा, प्रतिबंधित संगठन नहीं है अभिनव भारत

मुंबई/भाषा। साल 2008 के मालेगांव विस्फोट मामले में सात लोगों को बरी करने वाली एक विशेष अदालत ने अभियोजन पक्ष के इस दावे को खारिज कर दिया कि दक्षिणपंथी चरमपंथी समूह अभिनव भारत ने विस्फोट को अंजाम दिया था। अदालत ने कहा कि सरकार ने इस संगठन को आतंकवादी संगठन के रूप में प्रतिबंधित नहीं किया है।

विशेष न्यायाधीश ए.के. लाहोटी ने 1,000 से अधिक पृष्ठ के फैसले में कहा कि महाराष्ट्र आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) ने जांच निष्कर्षों में दावा किया था कि सभी आरोपी व्यक्ति अभिनव भारत के सदस्य थे, जो एक संगठित आपराधिक गिरोह था। न्यायाधीश ने कहा कि इस संगठन को केंद्र सरकार द्वारा आज तक आतंकवादी संगठन घोषित नहीं किया गया है, और यहां तक कि अभिनव भारत ट्रस्ट, संस्था, संगठन, फाउंडेशन भी प्रतिबंधित नहीं है। अदालत ने कहा कि अभियोजन एजेंसियों द्वारा हिरासत में लिए जाने के चरण से लेकर अंतिम सुनवाई तक, अभिनव भारत शब्द का इस्तेमाल लगातार एक सामान्य संदर्भ या आम बोलचाल में किया गया था।

पूर्व प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने सरकारी आवास खाली किया

नई दिल्ली/भाषा। भारत के पूर्व प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ ने राष्ट्रीय राजधानी स्थित न्यायपालिका के प्रमुख का आधिकारिक आवास खाली कर दिया है। भारत के 50वें प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ आठ नवंबर, 2024 को सेवानिवृत्त हो गए थे।

हाल में, नई दिल्ली के 5, कृष्ण मेनन मार्ग स्थित प्रधान न्यायाधीश के आधिकारिक आवास पर उनके निर्धारित समय से अधिक वक्त तक रहने को लेकर विवाद उत्पन्न हो गया था। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने सात जुलाई को 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा था कि सामान बांध लिया गया है और वह अपनी पत्नी व बच्चों के साथ जल्द ही किराये पर सरकारी आवास में चले जाएंगे। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़,

उनकी पत्नी कल्पना और बेटियां प्रियंका और माही पांच कृष्ण मेनन मार्ग, नई दिल्ली स्थित प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) के आधिकारिक आवास में रह रहे थे। प्रियंका और माही दोनों दिव्यांग हैं। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने बंगले में निर्धारित समय से अधिक वक्त तक रहने के कारणों को विस्तार से बताते हुए कहा था, हमने वास्तव में अपना सामान बांध लिया है। हमारा सामान पहले ही पूरी तरह बांधा जा चुका है। कुछ सामान पहले ही नए घर में भेज दिया गया है और कुछ यहां भंडार कक्ष में रखा हुआ है। वह सरकारी बंगले में कथित तौर पर निर्धारित अवधि से अधिक समय तक रहने के संबंध में उच्चतम न्यायालय प्रशासन द्वारा केन्द्र सरकार को भेजे गए पत्र का जवाब दे रहे थे। पूर्व प्रधान न्यायाधीश ने विवाद पर दुख जताया था और अपनी बेटियों की चिकित्सा स्थिति का हवाला दिया था, जिन्हें 'व्हीलचेयर' अनुकूल घर की आवश्यकता थी। घटनाक्रम का उल्लेख करते हुए न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा था कि सेवानिवृत्ति के बाद उन्होंने तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना से बात की थी, जो उनके उत्तराधिकारी बने थे, और उन्हें बताया था कि उन्हें 14, तुगलक रोड स्थित बंगले में लौटना है, जहां वह प्रधान न्यायाधीश बनने से पहले रहते थे।

'भाजपा की जम्मू-कश्मीर नीति विफल'

जम्मू/भाषा। पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य में भाजपा की पूर्व सहयोगी पीडीपी ने केंद्र से आग्रह किया कि जम्मू-कश्मीर की समस्याओं के सम्मानजनक समाधान के लिए 2015 में दोनों दलों के बीच बने 'गठबंधन एजेंडे' का पालन किया जाना चाहिए, क्योंकि केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी की कश्मीर नीति ''कोई परिणाम देने में विफल'' रही है। पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पाकिस्तान के साथ बातचीत शुरू करने से पहले जम्मू-कश्मीर के लोगों के साथ बातचीत की भी वकालत की। उन्होंने दावा किया कि भाजपा की कठोर नीति ने केंद्र शासित प्रदेश के ''लोगों को चुप करा दिया है'' जहां एक 'ज्वालामुखी बन रहा है' जिसका समाधान करने की आवश्यकता है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, पांच अगस्त, 2019 (जब केंद्र ने अनुच्छेद 370 के तहत जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा रद्द कर दिया और तत्कालीन राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित कर दिया) के घटनाक्रम को आज छठा साल पूरा हो रहा है।

पूर्वी लद्दाख में संपर्क सुनिश्चित करने के लिए सुरंगों और दर्रों की योजना बना रहा है बीआरओ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लेह/भाषा। रणनीतिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए, सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) पूर्वी लद्दाख में हर मौसम में सड़क संपर्क सुनिश्चित करने के लिए कई सुरंगों और उच्च हिमालयी दर्रों के निर्माण की योजना बना रहा है और यह प्रक्रिया उन्नत चरण में है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

बीआरओ इस अत्यधिक ऊंचाई वाले क्षेत्र में परियोजना निष्पादन में तेजी लाने के लिए आक्रामक रूप से नई प्रौद्योगिकियों को अपना रहा है, जहां कठोर सर्दियों की स्थिति के कारण कार्य का मौसम केवल कुछ महीनों तक ही सीमित रहता है। 'प्रोजेक्ट हिमांक' के निदेशक (कार्य एवं संसाधन) कर्नल दीपक पलांडे ने यहां 'पीटीआई-भाषा' को बताया, मुख्य रूप से लद्दाख दो राष्ट्रीय राजमार्गों – एनएच 1 और एनएच 3 से जुड़ा हुआ है। हम एनएच 3 के लिए जिम्मेदार हैं। रोहतांग सुरंग पहले ही बन चुकी है और हम बारालाचा और तंगलांग जैसे दर्रों पर कुछ सुरंगों के निर्माण की योजना बना रहे हैं।

बीआरओ का 'प्रोजेक्ट हिमांक' लद्दाख क्षेत्र में सड़क संपर्क के विकास के लिए शुरू किया गया था। यह चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा के निकट रणनीतिक क्षेत्रों तक संपर्क और पहुंच बनाए रखने को सुनिश्चित करता है। कर्नल पलांडे ने कहा कि इन सुरंगों की योजना उन्नत चरण में है। संरेखण लगभग स्वीकृत हो चुके हैं और अंतिम सर्वेक्षण चल रहा है। विस्तृत परियोजना रिपोर्ट जल्द ही तैयार की जाएगी।

पंजाब: 1993 के फर्जी मुठभेड़ मामले में पांच पूर्व पुलिसकर्मी दोषी करार

चंडीगढ़/भाषा। मोहाली की एक केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) अदालत ने एक सेवानिवृत्त वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सहित पांच पूर्व पुलिस अधिकारियों को 1993 में हुई फर्जी मुठभेड़ में शामिल होने का दोषी ठहराया है। इस मामले में तरनतारन जिले के सात लोगों की मौत हो गई थी। न्यायाधीश बलजिंदर सिंह सरा की अदालत ने शुक्रवार को उन्हें आपराधिक साजिश, हत्या और सबूत मिटाने का दोषी पाया। सजा चार अगस्त को सुनाई जाएगी।

जिन लोगों को दोषी ठहराया गया है उनमें पूर्व पुलिस उपाधीक्षक भूपिंदरजीत सिंह (जो बाद में एसएसपी के पद से सेवानिवृत्त हुए), पूर्व सहायक उपनिरीक्षक दविंदर सिंह (जो डीएसपी के पद से सेवानिवृत्त हुए), पूर्व सहायक उपनिरीक्षक गुलबर्ग सिंह, पूर्व निरीक्षक सूबा सिंह और पूर्व एएसआई रघबीर सिंह शामिल हैं।

सुले ने लाडकी बहिन योजना में 4900 करोड़ रुपए के घोटाले का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। राकांपा (एसपी) नेता सुप्रिया सुले ने महाराष्ट्र में कथित तौर पर बढ़ती अपराध दर से निपटने में विफल रहने के लिए भाजपा के नेतृत्व वाली 'महायुति' सरकार की शनिवार को आलोचना की और आरोप लगाया कि सरकार मूकदर्शक बनी हुई है, क्योंकि अपराधियों को कानून का कोई डर नहीं है।

यहां पत्रकारों से बात करते हुए, बारामती की सांसद ने दावा किया कि सरकार की प्रमुख योजना 'माझी लाडकी बहिन' में 4,900 करोड़ रुपए का घोटाला हुआ है, जिसके तहत महिलाओं को 1500 रुपए की मासिक सहायता प्रदान की जाती है। उन्होंने आरोप लगाया कि पुणे और बीड जिलों सहित राज्य के कई हिस्सों में अपराधों में लगातार वृद्धि देखी गई है, जबकि सरकार मूकदर्शक बनी हुई है। सुले ने कहा, लोगों का व्यवस्था से विश्वास उठ गया है। कानून का कोई डर नहीं है। इन अपराधियों का समर्थन कौन कर रहा है? इन सवालों पर गौर करने के बजाय, सरकार चुप रहना पसंद कर रही है।

सुले ने परली के व्यवसायी महादेव मुंडे की 2022 में हुई हत्या की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) के गठन में देरी की आलोचना की। उन्होंने कहा, मुंडे की पत्नी ज्ञानेश्वरी द्वारा आत्मदाह का प्रयास करने और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मिलने के बाद ही सरकार ने कार्रवाई की। हम एसआईटी द्वारा निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की मांग करते हैं। सुले ने दौंड तहसील के यवत में हाल ही में हुई सांप्रदायिक अशांति को लेकर भी चिंता जताई, जहां एक सोशल मीडिया पोस्ट से भड़के समूहों ने संपत्तियों में तोड़फोड़ की और आग लगा दी। उन्होंने कहा, यह एक संवेदनशील क्षेत्र है। नेताओं और बाहरी लोगों का यहां आकर अशांति फैलाना अस्वीकार्य है। मैं मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्रियों से अपने लोगों पर नियंत्रण रखने का आग्रह करती हूं। सुले ने उपमुख्यमंत्री अजित पवार, जो पुणे के संरक्षक मंत्री भी हैं, से दौंड में शांति और सांप्रदायिक सद्भाव सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

शादी कर कई पुरुषों से ठगी करने की आरोपी महिला नागपुर में गिरफ्तार

नागपुर/भाषा। महाराष्ट्र के नागपुर में एक महिला को 12 से अधिक पुरुषों से कथित तौर पर शादी करने के बाद उन्हें ठगने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। गिट्टीखदान पुलिस थाने के अधिकारी ने बताया कि समीरा फातिमा उर्फ समराला उर्फ सीमा को एक गुप्त सूचना के बाद सिविल लाइंस इलाके में एक चाय की दुकान से गिरफ्तार किया गया। अधिकारी ने कहा, वह एक साल से अधिक समय से फरार थी। उसने कारोबारी गुलाम पठान से शादी की और फिर रुपए लेकर उसके खिलाफ दुष्कर्म के आरोप में मामला दर्ज कराया। पठान ने गिट्टीखदान पुलिस से संपर्क किया, जिसके बाद जांच शुरू हुई। उसने खुद को तलाकशुदा स्कूल टीचर बताकर एक बैंक प्रबंधक को भी इसी तरह ठगा। उन्होंने कहा, जब बैंक प्रबंधक को उसने ब्लैकमेल किया और 50 लाख रुपए की मांग करने लगी तो पीड़ित ने मनकापुर थाने में मामला दर्ज कराया।

नई प्रौद्योगिकियों को अपनाना भावी अभियंताओं के लिए बड़ी चुनौती: टेसी थॉमस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ऐसे समय में जब दुनिया तेजी से डिजिटल हो रही है, नई प्रौद्योगिकियों को अपनाना और यह सुनिश्चित करना कि वे प्रौद्योगिकियां नैतिक, समावेशी और टिकाऊ हों, भविष्य के अभियंताओं, वैज्ञानिकों, उद्यमियों और नेताओं के लिए एक बड़ी चुनौती है। भारत की मिसाइल महिला के नाम से मशहूर टेसी थॉमस ने शनिवार को यह कहा।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की पूर्व महानिदेशक (वैमानिकी प्रणाली) एवं प्रतिष्ठित वैज्ञानिक थॉमस ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), दिल्ली के 56वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए यह कहा। उन्होंने स्नातक छात्रों से कहा, ऐसे समय में जब दुनिया तेजी से डिजिटल हो रही है, नई तकनीकों को अपनाना और यह सुनिश्चित करना कि वे तकनीकें नैतिक, समावेशी और टिकाऊ हों, भविष्य के अभियंताओं, वैज्ञानिकों, उद्यमियों और नेताओं के लिए एक बड़ी चुनौती है। चाहे वह डिकार्बोनाइजेशन हो, जल संरक्षण हो, डिजिटल इक्विटी हो, जैव-नवाचार हो या इंजीनियरिंग का कोई चमत्कार हो, इसे समाज के लिए अपना योगदान बनने दें।

सीबीएसई के क्षेत्रीय निदेशक चेन्नई स्थित अपने आवास पर मृत पाए गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के क्षेत्रीय निदेशक यहां अन्ना नगर स्थित अपने आवास में मृत पाए गए। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान महेश डी धर्माधिकारी (57) के रूप में हुई है और वह शुक्रवार को अपने घर में अचेत मिले थे। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि धर्माधिकारी अकेले रह रहे थे।

पुलिस ने कहा, डॉक्टरों ने पुष्टि की है कि उनकी मृत्यु हृदयाघात के कारण हुई। धर्माधिकारी के पुणे स्थित परिवार के सदस्यों को सूचित कर दिया गया है। पुलिस ने बताया कि चेन्नई पहुंचने पर उनका पार्थिव शरीर उन्हें सौंप दिया जाएगा।

केरल के राजीतिक दलों और सीबीसीआई ने ननों को जमानत दिए जाने का स्वागत किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/त्रिशूर/भाषा। केरल में सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) विपक्षी 'यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट' (यूडीएफ) और एक प्रमुख कैथोलिक निकाय ने छत्तीसगढ़ में मानव तस्करी और जबरन धर्म परिवर्तन के आरोपों में गिरफ्तार की गई दो ननों को जमानत दिए जाने का शनिवार को स्वागत किया। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले की राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की एक विशेष अदालत ने केरल की दो ननों सहित तीन लोगों को सशर्त जमानत दे दी। केरल की नन प्रीति मैरी और वंदना फ्रांसिस को सुखमन मंडावी के साथ 25 जुलाई को छत्तीसगढ़ के दुर्ग रेलवे स्टेशन पर शासकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने स्थानीय बजरंग दल के एक पदाधिकारी की शिकायत के बाद गिरफ्तार किया था। बजरंग दल के कार्यकर्ता ने उनपर तीन युवतियों का जबरन धर्मांतरण कराने और उनकी तस्करी करने का आरोप लगाया था।

राज्य के सामान्य शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने सोशल मीडिया मंच 'फेसबुक' पर पोस्ट में इस घटनाक्रम को 'संतोषजनक' बताया, लेकिन साथ ही कहा कि ननों की गिरफ्तारी के पीछे की राजनीतिक मंशा स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। उन्होंने यह भी दावा किया कि यह घटना भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दोहरे मापदंड को उजागर करती है क्योंकि वह भाजपा शासित राज्यों में अल्पसंख्यक समुदायों के खिलाफ कथित अत्याचारों और उत्पीड़न पर आंखें मूंद लेती है, जबकि राजनीतिक लाभ के लिए केरल में उनके संरक्षक के रूप में काम करती है। उन्होंने भारतीय संविधान द्वारा प्रदत्त धार्मिक और व्यक्तिगत स्वतंत्रता को नष्ट करने की ऐसी कथित कोशिशों के खिलाफ एकजुट होकर खड़े होने की अपील की।

गिरफ्तारी के नौ दिन बाद ननों को जमानत दिए जाने का विधानसभा में विपक्ष के नेता वी डी सतीशन ने स्वागत किया और कहा कि उन्हें ऐसे अपराधों के लिए झूठे मामले में जेल में डाल दिया गया जो उन्होंने किए ही नहीं। उन्होंने यह भी दावा किया कि अभियोजन पक्ष ने शनिवार को भी जमानत याचिका का विरोध किया था, लेकिन ननों से हिरासत में पूछताछ की मांग नहीं की थी। राज्य की राजधानी में पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने दावा किया, उसी समय, बजरंग दल के वकीलों ने मांग की कि किसी भी कारण से ननों को जमानत न दी जाए।

उन्होंने कहा कि इसलिए, भाजपा के राष्ट्रीय और केरल नेतृत्व ने इस मामले पर जो कहा, उसका कोई औचित्य नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया, वे बजरंग दल या छत्तीसगढ़ सरकार को नियंत्रित करने में असमर्थ थे। यह दर्शाता है कि वे भी मिलकर काम कर रहे थे। भारतीय कैथोलिक बिशप सम्मेलन (सीबीसीआई) के अध्यक्ष एवं त्रिशूर के आर्कबिशप एंड्रयूज थजथ कहा कि उन्हें खुशी है कि ननों को जमानत मिल गई।

साथ ही उन्होंने दावा किया कि कुछ लोगों द्वारा झूठे आरोप लगाए जाने के बाद ननों को गिरफ्तार किया गया था, इसलिए उनके खिलाफ मामला जल्द से जल्द रद्द किया जाना चाहिए। उन्होंने त्रिशूर में संवाददाताओं से कहा, इसलिए, इसके लिए संबंधित सरकारों द्वारा आवश्यक कदम उठाए जाने चाहिए।

कोयंबटूर और जयपुर के बीच विशेष ट्रेनें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिण रेलवे से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार पूजा, दिवाली और छठ त्योहार के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए ट्रेन संख्या 06181/06182 कोयंबटूर-जयपुर-कोयंबटूर साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशल चलाई जा रही है।

ट्रेन संख्या 06181 कोयंबटूर-जयपुर साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशल 07, 14, 21, 28 अगस्त और 04 सितंबर (गुरुवार) को कोयंबटूर से 02.30 बजे प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन 13.25 बजे जयपुर पहुंचेगी। वापसी दिशा में, ट्रेन संख्या 06182 जयपुर - कोयंबटूर साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशल 10 , 17 , 24 , 31 अगस्त और 07 सितंबर (रविवार) को जयपुर से 22.05 बजे रवाना होगी और चौथे दिन 08.30 बजे कोयंबटूर पहुंचेगी। इस ट्रेन में सात एसी थ्री टियर कोच, चार एसी थ्री टियर इकोनॉमी कोच, पांच स्लीपर क्लास कोच और दो लगेज कम ब्रेक वैन होंगे। यह ट्रेन कोयंबटूर से रवाना होकर तिरुपुर, इरोड, सेलम, जोलारपेट्टई, काटपाड़ी, रेनिगुंटा, कडप्पा, येरागुंटला, गुत्ती, धोने, कुरनूल शहर, गडवाल, महबूबनगर, काचीगुडा, कामारेड्डी, निजामाबाद, बसर, मुदखेड़, हुजूर साहिब नांदेड़, पूर्णा, हिंगोली दक्कन, वाशिम, अकोला, भुसावल, जलगांव, नंदुरबार, उधना, भरूच, वडोदरा, गोधरा, रतलाम, जावरा, मंदसोर, नीमच, चितौड़गढ़, होते हुए जयपुर पहुंचेगी।

शिक्षाविद् और पूर्व कुलपति वसंती देवी का निधन

मुख्यमंत्री ने निधन पर जताया शोक, देवी मनोनमनियम सुंदरनार विश्वविद्यालय की दूसरी कुलपति और तमिलनाडु में राज्य महिला आयोग की रह चुकी हैं अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शिक्षाविद् और तमिलनाडु के तिरुनेलवेली में स्थित मनोनमनियम सुंदरनार विश्वविद्यालय की पूर्व कुलपति वी वसंती देवी का एक अगस्त को हृदय गति रुकने से निधन हो गया। उनके परिवार के एक करीबी सूत्र ने यह जानकारी दी। वह 87 वर्ष की थीं। उन्होंने मदुरै के विलाचेरी में स्थित अपने आवास पर दोपहर बाद बेचैनी की शिकायत की और अस्पताल ले जाते समय उनका निधन हो गया। उनके परिवार में एक बेटी और एक बेटा हैं। देवी मनोनमनियम सुंदरनार विश्वविद्यालय की दूसरी कुलपति और तमिलनाडु में राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रह चुकी हैं। वह मानवाधिकार कार्यकर्ता भी थीं। उन्होंने 2016 में आरके नगर से पूर्व मुख्यमंत्री जे. जयललिता के खिलाफ विधानसभा चुनाव लड़ा था लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा था।

मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा, ''दिग्गज शिक्षाविद् प्रोफेसर वसंती देवी के निधन की खबर सुनकर मुझे गहरा दुख हुआ है। उनके परिवार, शिक्षाविदों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और छात्रों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं।'' द्रमुक नेता और पार्टी सांसद कनिमोझी ने शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना और सहानुभूति व्यक्त करते हुए कहा कि वसंती देवी ने तमिलनाडु के योजना आयोग के सदस्य समेत कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। शिक्षा के क्षेत्र में उनका कार्य उल्लेखनीय है।

संघ परिवार के एजेंडे के तहत 'द केरल स्टोरी' को राष्ट्रीय पुरस्कार दिया जा रहा : चेरियन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। केरल के सांस्कृतिक मामलों के मंत्री साजी चेरियन ने फिल्म 'द केरल स्टोरी' को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार देने के निर्णय की शनिवार को कड़ी आलोचना की और आरोप लगाया कि संघ परिवार के राजनीतिक एजेंडे के तहत इस फिल्म को पुरस्कार दिया जा रहा है। दिल्ली में 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों की घोषणा जूरी प्रमुख और फिल्म निर्माता आशुतोष गोवारिकर ने शुक्रवार को की।

इस वर्ष के राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में 'द केरल स्टोरी' के लिए फिल्म निर्माता सुदीप्तो सेन को सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार मिला है। इस फिम को सर्वश्रेष्ठ सिनेमैटोग्रामी का भी पुरस्कार मिला है।

यह फिल्म इसलिए विवादों में रही थीं क्योंकि इसमें केरल की महिलाओं को जबरन धर्मांतरण कर आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट में भर्ती किए जाने के रूप में दिखाया गया था। चेरियन ने एक टीवी चैनल से बातचीत के दौरान आरोप लगाया कि सुदीप्तो सेन निर्देशित यह फिल्म लोगों को बांटती है, समाज में नफरत फैलाती है और पूरे राज्य का अपमान करती है। ऐसी फिल्म को बिना किसी मापदंड पर खरा उतरे राष्ट्रीय पुरस्कार दे दिया गया।

उन्होंने कहा, यह गर्व की बात है कि हमारे कलाकारों उर्वशी और विजयराघवन को पुरस्कार मिले हैं। लेकिन फिल्म द केरल स्टोरी' को मान्यता कैसे दी जा सकती है? इस तरह से

पुरस्कार कैसे दिया जा सकता है? मुझे समझ नहीं आ रहा कि किस मानदंड के आधार पर इस फिल्म को पुरस्कार के लिए चुना गया है।

मंत्री ने कहा, देश पर शासन करने वाली राजनीतिक पार्टी के लिए नफरत का माहौल मजबूत करना जरूरी है। इसके लिए वे हर चीज में दखल देते हैं... यहां तक कि छोटी-छोटी बातों में भी। यह पुरस्कार भी उसी का हिस्सा है। यह गलत निर्णय था।

केरल के सांस्कृतिक मामलों के मंत्री ने यह तीखी आलोचना ऐसे समय में की है जब एक दिन पहले मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने द केरल स्टोरी' को राष्ट्रीय पुरस्कार दिए जाने की कड़ी निंदा की और जूरी पर भारतीय सिनेमा की गौरवशाली परंपरा से विश्वासघात करने का आरोप लगाया। केरल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष वी. डी. सतीशन ने भी फिल्म 'द केरल स्टोरी' को राष्ट्रीय पुरस्कार देने के फैसले की आलोचना की और आरोप लगाया कि भाजपा सरकार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों का इस्तेमाल अपनी नफरत फैलाने वाली मुहिम के तहत कर रही है।

ईडी ने केरल के एक धर्मार्थ संगठन के खिलाफ एफसीआरए उल्लंघन का मामला दर्ज किया

कासरगोड़/नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने विदेशी अभिदाय (विनियमन) अधिनियम (एफसीआरए) का कथित तौर पर उल्लंघन कर विदेश से 220 करोड़ रुपये प्राप्त करने के आरोप में केरल के एक धर्मार्थ संगठन के खिलाफ विदेशी मुद्रा उल्लंघन का मामला दर्ज किया है।

कासरगोड स्थित कुन्हाहमद मुसलियार मेमोरियल ट्रस्ट और उसके अध्यक्ष, एनआरआई इब्राहिम अहमद अली के खिलाफ जांच के तहत यह कार्रवाई की गई है। ईडी ने एक बयान में कहा कि मामले के सिलसिले में कासरगोड के दो स्थानों पर बृहस्पतिवार को विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत तलाशी ली गई। ईडी के अनुसार, ट्रस्ट को 2021 से अब तक इब्राहिम अहमद अली से 220 करोड़ रुपये से अधिक की राशि प्राप्त हुई, जिसे बही खाते में असुरक्षित ऋण के रूप में दिखाया गया है।

जांच एजेंसी ने कहा कि इसमें कोई ऋण समझौता, ब्याज दर की शर्तें या पुनर्भुगतान के समय के बारे में उल्लेख नहीं था और आज तक कोई पुनर्भुगतान नहीं किया गया है। ईडी ने कहा कि जांच में पाया गया कि अली को ये धनराशि यूनिवर्सल लुब्रिकेंट्स एलएलसी नामक संयुक्त अरब अमीरात की कंपनी से प्राप्त हुई थी। ईडी ने कहा कि जांच में पाया गया कि इन विदेशी चंदे का एक हिस्सा मौजूदा नियमों का उल्लंघन करते हुए भारत में कृषि भूमि की खरीद के लिए उपयोग किया गया। इसने कहा कि जांच में पाया गया कि ट्रस्ट ने 'फेमा' प्रावधानों का उल्लंघन करते हुए अली से 2.49 करोड़ रुपये नकद प्राप्त किए।

ईडी ने कहा, तलाशी के दौरान आपत्तिजनक दस्तावेज, 220 करोड़ रुपये के असुरक्षित ऋण दिखाने वाले बही खाते, ट्रस्ट की कैश बुक और वित्तीय डेटा वाली 'एक हार्ड डिस्क' जब्त की गई है।

चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट का शुद्ध लाभ जून तिमाही में 21% बढ़कर 1,135.91 करोड़ रुपए पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। विविध क्षेत्रों में कार्यरत समूह मुरुगप्पा समूह के वित्तीय सेवा प्रभाग चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट एंड फाइनेंस कंपनी लिमिटेड का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में 21 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1,135.91 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 942.23 करोड़ रुपये रहा था।

कंपनी ने शनिवार को बयान जारी कर बताया कि शहर स्थित इस कंपनी की कुल आमदनी समीक्षाधीन तिमाही में 26 प्रतिशत बढ़कर 7,330.78 करोड़ रुपये रही है, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 5,828.97 करोड़ रुपये थी। समीक्षाधीन तिमाही के दौरान कंपनी का कुल संवितरण 24,325 करोड़ रुपये पर स्थिर रहा, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में यह 24,332 करोड़ रुपये था।

चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट एंड फाइनेंस कंपनी लिमिटेड ने एक उपकरण वित्तपोषण कंपनी के रूप में अपना कारोबार शुरू किया था। कंपनी एक व्यापक वित्तीय सेवा प्रदाता के रूप में उभरी है जो वाहन वित्तपोषण, गृह ऋण, लघु एवं मध्यम उद्यम ऋण, स्वर्ण ऋण आदि प्रदान करती है। यह देश भर में 2,481 संपर्क केंद्र संचालित करती है।

बीएमआरसीएल ने बेंगलूरु में पहली बार मेट्रो के जरिए दान किया हुआ अंग अस्पताल पहुंचाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु की नम्मा मेट्रो ने अपनी शुरुआत के बाद पहली बार नम्मा मेट्रो ने किसी मनुष्य द्वारा दान किए हुए यकृत (लिवर) को अस्पताल पहुंचाने में मदद की। बेंगलूरु मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीएमआरसीएल) ने शनिवार को यह जानकारी दी। बीएमआरसीएल ने एक विज्ञप्ति में बताया कि एक अगस्त की रात करीब आठ बजकर 38 मिनट पर एक एंबुलेंस से यकृत को व्हाइटफ़ील्ड मेट्रो स्टेशन पर लाया गया। यकृत के साथ एक डॉक्टर और सात मेडिकल कर्मचारी भी थे।

मेट्रो स्टेशन पर मौजूद कर्मचारियों ने तुरंत सारी कागज़ी कार्रवाई और सुरक्षा जांच पूरी की। इसके बाद, यकृत को लेकर टीम एक मेट्रो ट्रेन में सवार हुई, जो आठ बजकर 42 मिनट पर व्हाइटफील्ड मेट्रो स्टेशन से निकली। यह मेट्रो रात नौ बजकर 48 मिनट पर राजाराजेश्वरी नगर मेट्रो स्टेशन पहुंची, जिसके बाद यकृत को समय पर स्पर्श अस्पताल पहुंचा दिया गया, जहां इसका सफल प्रत्यारोपण किया गया। मेट्रो अधिकारियों ने बताया कि यह काम आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय और बीएमआरसीएल के दिशानिर्देशों के तहत किया गया।

विज्ञप्ति के अनुसार यह भारत में दूसरी बार है जब मेट्रो ट्रेन का इस्तेमाल अंगदान के लिए किया गया है। इससे पहले, 18 जनवरी को हैदराबाद मेट्रो ने भी एक मरीज के लिए दिल पहुंचाने में मदद की थी। उन्होंने इसके लिए ग्रीन चैनल बनाया था।

सेक्स टेप कांड से लेकर सजा तक : प्रज्ज्वल रेवन्ना के खिलाफ बलात्कार मामले में घटनाक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जनता दल-सेक्युलर (जद-एस) के पूर्व सांसद प्रज्ज्वल रेवन्ना कई अप्रत्याशित घटनाक्रमों के केंद्र में रहा है। इनमें अप्रैल 2024 में लोकसभा चुनाव की चर्चा के बीच हासन में उसके कथित सेक्स वीडियो वाली बड़ी संख्या में पेन ड्राइव सामने आने से लेकर 31 मई, 2024 को जर्मनी से लौटने पर सभी महिला सदस्यों वाले एक विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा गिरफ्तारी शामिल है। रेवन्ना को शनिवार को उसके विरुद्ध दर्ज मामलों में से एक में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। यह उन घटनाओं की परिणति थी, जिसने उसके महत्वाकांक्षी राजनीतिक करियर को पटरी से उतार दिया। यह मामला 48 वर्षीय एक महिला के साथ बलात्कार से जुड़ा है जो परिवार के हासन स्थित गन्निकाडा फार्महाउस में घरेलू सहायिका के रूप में काम करती थी। महिला ने आरोप लगाया कि रेवन्ना ने उसके साथ दो बार बलात्कार किया-एक बार फार्महाउस में और फिर 2021 में कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान बेंगलूरु के बसवनगुडी स्थित अपने आवास पर।

रेवन्ना से जुड़े घटनाक्रम इस प्रकार हैं:

अप्रैल 2024 : सेक्स वीडियो सामने आए, जिससे पूरे देश में हंगामा मच गया। प्रज्ज्वल रेवन्ना ने लीक के राजनीति से प्रेरित होने का दावा किया और कहा कि इसका उद्देश्य लोकसभा सीट

जीतने की उसकी संभावनाओं को ख़त्म करना है।

20 अप्रैल, 2024 : रेवन्ना के चुनाव एजेंट ने एक प्राथमिकी दर्ज करायी जिसमें आरोप लगाया गया कि वीडियो चुनाव से पहले रेवन्ना की छवि धूमिल करने के लिए प्रसारित किए जा रहे हैं।

26 अप्रैल, 2024 : लोकसभा चुनाव के लिए मतदान संपन्न; रेवन्ना राजनयिक पासपोर्ट पर देश से रवाना हुआ।

27 अप्रैल, 2024: कर्नाटक सरकार ने आरोपों की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया।

28 अप्रैल, 2024 : रेवन्ना और उसके पिता, पूर्व मंत्री एच. डी. रेवन्ना पर उनकी पूर्व घरेलू सहायिका द्वारा दर्ज करायी गई शिकायत के आधार पर यौन उत्पीड़न और आपराधिक धमकी का मामला दर्ज किया गया।

29 अप्रैल, 2024 : शिकायतकर्ता लापता हुई, उसे कथित तौर पर रेवन्ना के माता-पिता ने रेवन्ना के खिलाफ गवाही देने से रोकने के लिए अपहृत कर लिया।

30 अप्रैल, 2024 : जद (एस) ने रेवन्ना को पार्टी से निलंबित किया।

2 मई, 2024 : कर्नाटक पुलिस ने रेवन्ना के खिलाफ बलात्कार के आरोप में मामला दर्ज किया और फरार सांसद के लिए लुकआउट नोटिस जारी किया।

4 मई, 2024 : अपहृत पूर्व घरेलू सहायिका को एसआईटी ने छुड़ाया।

30 मई, 2024: रेवन्ना जर्मनी के फ्रैंकफर्ट मुख्य हवाई अड्डे से बेंगलूरु के लिए उड़ान भरता है।

31 मई, 2024: रेवन्ना को पहुंचने पर एसआईटी द्वारा रोका गया और गिरफ्तार कर लिया गया और बाद में उसे हिरासत में भेज दिया गया।

26 जून, 2024: जनप्रतिनिधियों के खिलाफ आपराधिक मामलों की त्वरित सुनवाई के लिए गठित सांसदों और विधायकों की विशेष अदालत का रेवन्ना को ज़मानत देने से इनकार।

5 जुलाई, 2024: रेवन्ना ने जमानत के लिए कर्नाटक उच्च न्यायालय का रुख किया।

23 अगस्त, 2024 : विशेष जांच दल (एसआईटी) ने मामले में पहला आरोपपत्र दाखिल किया।

9 सितंबर, 2024 : विशेष जांच दल (एसआईटी) ने 1,632 पृष्ठों का दूसरा आरोपपत्र दाखिल किया।

21 अक्टूबर, 2024 : कर्नाटक उच्च न्यायालय ने बलात्कार के दो मामलों और यौन उत्पीड़न के एक मामले में रेवन्ना को नियमित और अग्रिम ज़मानत देने से इनकार किया।

2 नवंबर, 2024 : कथित बलात्कार पीड़िता के अंतर्वस्त्रों पर रेवन्ना का डीएनए पाया गया।

11 नवंबर, 2024: उच्चतम न्यायालय ने रेवन्ना की जमानत याचिका खारिज की।

16 जनवरी, 2025: कर्नाटक उच्च न्यायालय ने बलात्कार मामले में सभी डिजिटल साक्ष्यों की मुद्रित प्रति देने के रेवन्ना के अनुरोध को अस्वीकार किया।

1 मई, 2025: कर्नाटक उच्च न्यायालय ने रेवन्ना की मां भवानी रेवन्ना द्वारा दायर याचिका खारिज की, जिसमें नये वकील की नियुक्ति के लिए और समय मांगा गया था।

2 मई, 2025: पूर्व घरेलू सहायिका द्वारा दायर बलात्कार मामले में सांसदों और विधायकों के लिए विशेष अदालत में मुकदमा शुरू हुआ।

18 जुलाई, 2025: मुकदमे की सुनवायी पूरी हुई; अदालत ने अपना फैसला 30 जुलाई के लिए सुरक्षित रख लिया।

30 जुलाई, 2025: विशेष अदालत ने स्पष्टीकरण मांगा और मामले की सुनवाई 1 अगस्त के लिए स्थगित कर दी।

1 अगस्त, 2025: विशेष अदालत ने रेवन्ना को बलात्कार का दोषी ठहराया; सजा अगले दिन सुनाना निर्धारित किया गया।

कांग्रेस के 'संविधान विरोधी रवैये' के खिलाफ भाजपा 5 अगस्त को बेंगलूरु में प्रदर्शन करेगी : विजयेंद्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने शनिवार को घोषणा की कि कांग्रेस के संविधान विरोधी रवैये'' के खिलाफ पार्टी पांच अगस्त को बेंगलूरु में प्रदर्शन करेगी। उसी दिन राहुल गांधी ''वोट चोरी'' की कथित घटनाओं के खिलाफ प्रदर्शन का नेतृत्व करेंगे। विजयेंद्र ने कहा कि उनकी पार्टी के सदस्य यहां विधान सौधा परिसर में गांधी प्रतिमा के पास प्रदर्शन करेंगे।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी पांच अगस्त को वोट चोरी की कथित घटनाओं के खिलाफ यहां फ्रीडम पार्क में प्रदर्शन में शामिल होंगे। भाजपा ने भी उसी स्थल पर अपना प्रदर्शन आयोजित करने के लिए बेंगलूरु पुलिस से अनुमति मांगी थी। हालांकि, कानून-व्यवस्था और कांग्रेस के वहां पहले से ही तय प्रदर्शन के कारण जगह की कमी का हवाला देते हुए उसे अनुमति नहीं दी गई। बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण को लेकर विवाद के बीच, लोकसभा में विपक्ष के नेता गांधी ने आरोप लगाया है कि देश में चुनाव में ''वोटों की चोरी'' हो रही है। गांधी ने दावा किया कि उनकी पार्टी ने कर्नाटक के एक संसदीय क्षेत्र का अध्ययन करके वोटों की चोरी के तरीके का पता लगाया है। विजयेंद्र ने फ्रीडम पार्क में पेड़ों की कटाई और अहाते की दीवार गिराने पर कड़ी आपत्ति जताई। विजयेंद्र ने कहा, यह एक अक्षम्य आपराधिक कृत्य है।

कांग्रेस पार्टी के रवैये को पूरी तरह से असंवैधानिक बताते हुए विजयेंद्र ने कहा कि भाजपा ने इस मामले को बहुत गंभीरता से लिया है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने दावा किया, ''उनका (कांग्रेस) लोकतंत्र से विश्वास उठ गया है। उनका संवैधानिक संस्थाओं से विश्वास उठ गया है। वे निर्वाचन आयोग पर आरोप लगा रहे हैं। सिद्दरामय्या और डी के शिवकुमार ने भी उनके सुर में सुर मिलाया है। इसलिए मेरा सीधा सवाल है कि अगर कोई आरोप हैं, तो कांग्रेस कर्नाटक में सत्ता में कैसे आई? उन्होंने तीनों उपचुनाव कैसे जीते? विजयेंद्र ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और राहुल गांधी केंद्र में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व को पचा नहीं पा रहे हैं और उनका (राहुल) प्रधानमंत्री बनने का सपना अधूरा रह गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग पर बार-बार आरोप लगाकर राहुल गांधी देश और राज्य की जनता को गुमराह कर रहे हैं।

दुनिया में भारत की बढ़ती जा रही है प्रतिष्ठा : देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने युवाओं को लोकतंत्र की संस्कृति को समझाते हुए कहा है कि गौरवशाली भारत का लोकतंत्र और संविधान सुदृढ़ एवं संवाद लोकतंत्र का सर्वोत्तम माध्यम है और जनप्रतिनिधियों द्वारा तर्क और तथ्यों के आधार पर अपनी बात कहना, दूसरों की बात धैर्य से सुनने के साथ सहमति और असहमति के आधार पर संतुलन बनाना ही लोकतंत्र की संस्कृति है। देवनानी शनिवार को राष्ट्र मण्डल संसदीय संघ की राजस्थान शाखा के तत्वावधान में यहां विधानसभा में आयोजित युवा संसद को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि दुनिया में भारत की प्रतिष्ठा निरन्तर बढ़ती जा रही है। गौरवशाली भारत का लोकतंत्र और संविधान सुदृढ़ है। हम सभी को एकजुट होकर भारतीय राष्ट्र की संस्कृति के प्रति गर्व की अनुभूति करनी चाहिए। भारत प्राचीन काल से ही शिक्षा और विज्ञान की दृष्टि से समृद्ध रहा है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्र हित में पक्ष और प्रतिपक्ष को एकजुट होना आवश्यक है। देश है तो हम है और यदि देश नहीं रहेगा, तो हमारा भी अस्तित्व नहीं रहेगा। उन्होंने देश के विभिन्न भागों से युवा संसद के लिए चयनित होकर आए छात्र-छात्राओं को लोकतंत्र की संस्कृति समझायी। देवनानी ने सदन में आते ही पहले प्रतिपक्ष की ओर मुखातिव होकर नमस्कार किया और फिर पक्ष के सदस्यों को नमस्कार किया। देवनानी ने कहा कि यह वह सदन है जहां लोकतंत्र के मूल्यों की अभिव्यक्ति होती है। जन भावनाएं नीतियों में रूपान्तरित होती है और यहीं से जनप्रतिनिधि अपने कर्तव्यों के प्रति उत्तरदायी होते है। उन्होंने कहा कि इस सदन में जनप्रतिनिधि की लोकतांत्रिक चेतना, विचारशीलता और नेतृत्व क्षमता की परीक्षा होती है।

देवनानी ने कहा कि तर्क और तथ्यों के आधार पर अपनी बात कहना, दूसरों की बात धैर्य से सुनने के साथ सहमति और असहमति के आधार पर सन्तुलन बनाना ही लोकतंत्र की संस्कृति है। युवा संसद युवाओं को सिर्फ आलोचक ही नहीं भागीदार बनने के लिए प्रेरित करती है ताकि वे सामाजिक परिवर्तन के वाहक बन सके। उन्होंने कहा कि सदन जनप्रतिनिधि को अपने विचार रखने, संवाद स्थापित करने और परस्पर दृष्टिकोणों को अनुशासन, संवेदनशीलता, विवेक और वैचारिक विविधता के साथ समझने का मंच है। सदन का यह मंच जन प्रतिनिधि को स्वयं को समझने के लिए जनहित के अनुरूप मौका देता है। उन्होंने कहा कि शासन प्रशासन केवल आदेशों का प्रवाह नहीं होता बल्कि वह विचारों, मूल्य निर्धारण और जनहित की सतत प्रक्रिया है।

देवनानी ने कहा कि भारत की सम्प्रभुता और राष्ट्रीय अखण्डता हमारे लिए सर्वोपरि है। यह हमारे राष्ट्रीय स्वाभिमान और संवैधानिक प्रतिबद्धताओं को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि सदन में विरोध शालीनता से प्रस्तुत करना होता है। मतभेदों में भी मर्यादित रहना होता है। उन्होंने कहा कि जनभावनाएं सदन में आनी चाहिए। मानवीय भावनाओं को हमें समझना होगा। संवाद की गरिमा बनाए रखने के साथ आदर्श प्रस्तुत करना होगा। उन्होंने कहा कि शिक्षा और विज्ञान में हमारा देश प्राचीन काल से ही समृद्ध है। सिन्धु के किनारे वेद लिखे गये। मोहनजोदडों ने कपडे पहनना और नगर बसाना सिखाया। उन्होंने कहा कि आज सोशल मीडिया के जमाने में युवा बिना पडताल किये सुनी सुनाई बाले पोस्ट कर देते हैं, यह ठीक नहीं है। युवाओं को गहराई में जाने का स्वभाव बनाना होगा। देवनानी ने कहा कि रामचरितमानस को युवा पढे और उससे पिता, पुत्र, भाई, पत्नी की भूमिका को समड़ी। महाभारत में संजय ने मीलों दूर बैठकर आंखों देखा हाल सुनाया, रामचरितमानस में पुष्पक विमान, गणेश जी के सूण्ड लगाना सहित अनेक वैज्ञानिक दृष्टि की बातों में हमारा देश आगे रहा है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में राष्ट्र हित के लिए अभिव्यक्ति की सीमाओं का पालन करना आवश्यक है।

राष्ट्रमण्डल संसदीय संघ के सचिव संदीप शर्मा ने कहा कि युवा संसद बोलने, विरोध या समर्थन का ही अभ्यास नहीं है बल्कि यह लोकतंत्र के जीवन्त संस्कारों की शिक्षा है। उन्होंने कहा कि युवा संसदीय मर्यादाओं को समझे। जागरूक, विचारशील और उत्तरदायी बने।

लोकतंत्र में केवल मत डालने तक भागीदारी सीमित ना रखे बल्कि राष्ट्र के प्रति अपने उत्तरदायित्वों को सक्रियता से निभाएं। इस युवा संसद में देश के दस राज्यों राजस्थान, पश्चिम बंगाल, उत्तराखण्ड, हरियाणा, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, गोवा, कर्नाटक, गुजरात और तीन केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर, चंडीगढ़ व नई दिल्ली के 55 व्द्यिालयों के कक्षा 9वीं से लेकर 12वीं तक के चयनित 168 युवा छात्र-छात्राओं ने आतंकवाद और पाक अधिकृत कश्मीर को खाली कराने के प्रयास पर संवाद किया। अन्तर्राष्ट्रीय मुद्दे के हल का मार्ग खोजने का प्रयास किया। विधानसभा सदन में 56 युवाओं ने तर्कों और तथ्यों के साथ निर्धारित समय में अपनी बात रखकर मर्यादित व्यवहार का आदर्श प्रस्तुत किया।

भारी बारिश का दौर आज से फिर शुरू होने की संभावना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के अनेक इलाकों में भारी से अति भारी बारिश के बीच मौसम विभाग ने रविवार से एक बार फिर भारी बारिश का दौर शुरू होने का अनुमान व्यक्त किया है। बीते चौबीस घंटे में राज्य के गंगानगर में सबसे अधिक 156 मिलीमीटर बारिश हुई। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार मानसून 'ट्रफ लाइन' फिलहाल गंगानगर, रोहतक से होकर गुजर रही है। इसके अगले पांच,छह दिन उत्तर की ओर स्थानांतरित होने से राज्य के उत्तरी व उत्तर-पूर्वी भागों में बारिश की गतिविधियां जारी रहने तथा दक्षिण व दक्षिण-पूर्वी भागों में भारी बारिश की गतिविधियों में कमी होने की संभावना है। वहीं उत्तर पूर्वी राजस्थान के भरतपुर, जयपुर संभाग के कुछ भागों में तीन अगस्त से फिर भारी बारिश की गतिविधियों में बढ़ोतरी होगी। चार अगस्त को भरतपुर संभाग व आसपास के जिलों में कहीं-कहीं अतिभारी बारिश हो सकती है। शनिवार सुबह साढ़े आठ बजे तक के चौबीस घंटे में पश्चिमी राजस्थान में कहीं कहीं पर भारी से अति भारी वर्षा दर्ज की गई। सर्वाधिक वर्षा गंगानगर में 156 मिलीमीटर दर्ज की गई।

भरतपुर में सामूहिक आत्महत्या का सनसनीखेज मामला, मृतकों की हुई पहचान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भरतपुर। सेवर थाना क्षेत्र में तीन लोगों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत ने पूरे इलाके को दहला दिया। पुलिस ने मृतकों की पहचान हिंडोन निवासी अनीता, उसके बेटे लेतेश और महू निवासी शुभम के रूप में की है। शनिवार सुबह तीनों के शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। अनीता की शादी हिंडोन के खेड़ा जमालपुर निवासी देवेंद्र से हुई थी, जो कर्नाटक में ग्रेनाइट के व्यवसाय से जुड़ा है। अनीता कुछ समय पहले मायके आई हुई थी। मृत युवक शुभम, अनीता के पति का भांजा था, जबकि तीसरा मृतक लेतेश, अनीता का इकलौता बेटा था।

अनीता के भाई दिगंबर ने बताया कि अनीता अपने बेटे को हाथ की चोट दिखाने के लिए घर से निकली थी, लेकिन दोनों लौटकर नहीं आए। परिजनों ने खोजबीन की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद हिंडोन थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई। पुलिस ने अनीता के मोबाइल की लोकेशन भरतपुर में ट्रेस की, लेकिन जल्द ही फोन स्विच ऑफ हो गया। शुभम के पिता रामेश्वर के अनुसार, शुक्रवार शाम एक काले रंग की स्कॉर्पियो में तीन-चार युवक रेलवे स्टेशन पहुंचे और शुभम को साथ ले गए। शुभम भरतपुर में कुछ दोस्तों के साथ रहता था।

शुभम पुलिस और आर्मी में भर्ती की तैयारी कर रहा था। उसने कोचिंग भी ली थी, लेकिन वर्ष 2020 में घर छोड़कर कर्नाटक चला गया और अपने मामा देवेंद्र के साथ ग्रेनाइट का काम करने लगा। 2022 में मामा ने उसे वापस भेज दिया।

पुलिस को घटनास्थल से दो ज़हर के पैकेट मिले हैं। तीनों शव पूरी तरह अकड़े हुए थे और जमीन पर घसीटने के निशान भी मौजूद थे। पास में कुछ चप्पल और कपड़े भी पड़े मिले। शवों को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। प्रथम दृष्टया मामला सामूहिक आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, लेकिन परिजनों ने संदेह जताया है। पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है और स्कॉर्पियो की पहचान से लेकर घटनास्थल तक की कड़ी जोड़ने में जुटी है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए कृषि एवं किसान कल्याण ही प्राथमिकता : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बांसवाड़ा । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य स्तरीय सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में कृषक कल्याण और ग्रामीण विकास की नई कहानी लिखी जा रही है। उन्होंने किसान भाइयों के खातों में पीएम किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त की सौगात दी है। इसी कड़ी में राजस्थान के 76 लाख से अधिक किसानों के खातों में 1 हजार 600 करोड़ रुपये की राशि अंतरित की गई है। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री ने पीएम-किसान सम्मान निधि योजना शुरू कर लघु एवं सीमांत किसानों की जिंदगी बदलने का काम किया है। उन्होंने लाखों करोड़ रुपये की खाद सब्सिडी देकर किसानों को राहत दी है। 10 हजार से अधिक नए एफपीओ बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि किसानो के लिए ऑनलाइन व्यापार की व्यवस्था ई-नाम शुरू की है। लागत पर कम से कम 50 प्रतिशत मुनाफा जोड़कर न्यूनतम समर्थन मूल्य तय किया है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को सरल बनाकर इसका विस्तार किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने किसान सम्मान निधि की राशि को बढ़ाकर 9 हजार रुपये कर दिया है और इसे 12 हजार रुपये तक बढ़ाने का संकल्प है। राज्य के 76 लाख से अधिक किसानों को अब तक मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि की 6 हजार 800 करोड़ रुपये की राशि हस्तांतरित की जा चुकी है। वर्ष 2025-26 में 35 लाख किसानों को 25 हजार करोड़ का ब्याज मुक्त अल्पकालीन फसली ऋण का वितरण एवं भूमि विकास और सहकारी बैंकों के माध्यम से इस वर्ष 400 करोड़ रुपये का दीर्घकालीन ऋण 5 प्रतिशत ब्याज अनुदान के साथ उपलब्ध करवाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमने करीब 32 लाख मीट्रिक टन गेहूं की समर्थन मूल्य पर खरीद की है। इसी क्रम में पिछले वर्ष 125 रुपये और इस वर्ष 150 रुपये बोनस देकर गेहूं की खरीद पर करीब साढ़े चार सौ करोड़ रुपये की बोनस राशि का भुगतान किया है। शर्मा ने कहा कि पीएम कुसुम योजना में 1500 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन से किसानों को संबल मिला है। किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार काम कर रही है। इसके फलस्वरूप 22 जिलों में किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि राम जल सेतु लिंक परियोजना के तहत 12 हजार करोड़ के कार्यादेश दिए गए हैं। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में राजस्थान ने हरियाणा के साथ यमुना जल समझौता कर बरसों के इंतजार को खत्म किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकास को सर्वांगीण, सर्वव्यापी और सर्व-समावेशी बनाते हुए जनजातीय समाज के उत्थान का बीड़ा उठाया है। इस समुदाय के लोगों के सामाजिक-आर्थिक विकास हेतु धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान शुरू किया गया है। जिससे देश की पांच करोड़ से अधिक जनजातीय आबादी लाभान्वित होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने बिरसा मुंडा के जन्मदिवस 'जनजातीय गौरव दिवस' पर कमजोर जनजातीय समूहों के समग्र विकास हेतु प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम जनमन) की शुरुआत की। जिसमें प्रदेश के जनजाति बहुल गांवों में आधारभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने का काम किया जा रहा है। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने आदिवासी क्षेत्रों में 7 नए आश्रम छात्रावास, 3 नए आवासीय विद्यालय और 250 नए मां-बाड़ी केंद्र स्वीकृत किए हैं। मां-बाड़ी केंद्रों में कार्यरत रसोइयों और शिक्षकों का मानदेय 10 प्रतिशत बढ़ाया गया है। 530 वनधन केंद्रों के जरिए जनजातीय परिवारों की वन उपजों को बाजार मिल रहा है। उन्होंने कहा कि मानगढ़ धाम को धार्मिक और पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है। टीएसपी फंड को 1 हजार करोड़ से बढ़ाकर 1 हजार 500 करोड़ रुपये किया गया है।

बेटियां हैं नए भारत की शक्ति और प्रेरणा : शेखावत

जयपुर। जिला स्तरीय इंदिरा प्रियदर्शिनी स्कूटी वितरण कार्यक्रम शनिवार को जोधपुर जिला स्थित महालक्ष्मी शिक्षण संस्थान प्रतापनगर में केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत की अध्यक्षता एवं संसदीय कार्य विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री शेखावत ने कहा कि बेटियाँ आज न केवल परिवार, बल्कि पूरे राष्ट्र का मान बढ़ा रही हैं। जिन परिस्थितियों में उन्होंने सफलता अर्जित की है, वह साहस, संकल्प और सेवा भाव का प्रतीक है। उनमें भारत के भविष्य की झलक दिखाई देती है।

उन्होंने कहा कि अभावों में पली-बढ़ी बेटियाँ जब शिक्षा को सेवा का माध्यम बनाकर समाज के प्रति योगदान देती हैं, तो वह स्वयं नई क्रांति का सूत्रपात करती हैं। उनका आत्मविश्वास, मेहनत और समर्पण उन्हें प्रेरणा का स्रोत बनाता है। आज की बेटियाँ केवल सपना नहीं देख रही, बल्कि उसे साकार भी कर रही हैं। शेखावत ने कहा कि अमृत काल में भारत जिस बदलाव की ओर अग्रसर है, उसमें बेटियों की भूमिका निर्णायक होगी। वे बदलाव की वाहक और विकसित भारत की आधारशिला बन रही हैं।

उन्होंने विश्वास जताया कि 2047 तक जब भारत विकसित राष्ट्र बनेगा, तब उसकी सबसे सशक्त भूमिका इन बेटियों की होगी, जो अपने संकल्प और संघर्ष से समाज को नई दिशा दे रही हैं। संसदीय कार्य मंत्री पटेल ने कहा यशस्वी मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश सरकार शैक्षणिक उन्नयन एवं युवा कल्याण के लिए कटिबद्ध होकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा विद्यालय और महाविद्यालय तक सुगम पहुंच के लिए राज्य सरकार द्वारा केवल 18 माह में काली बाई भील मेधावी छात्रा एवं देवनारायण स्कूटी योजना के तहत 32 हजार 907 स्कूटियों का वितरण और 10 लाख 51 हजार साइकिलों का वितरण किया गया है।

पटेल ने कहा कि बच्चों के लिए सूचना एवं प्रौद्योगिकी के महत्व को देखते हुए 89 हजार विद्यार्थियों को टैबलेट और लैपटॉप का वितरण किया गया है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के इसी क्रम में आरटीई के तहत 2 लाख से अधिक नव प्रवेशित विद्यार्थियों की 907 करोड़ रुपये फीस का पुनर्भरण किया गया है। उन्होंने कहा बेटियों के सुरक्षित भविष्य के लिए लाडो प्रोत्साहन योजना में डेढ़ लाख रुपये की राशि दी जा रही है।

जलवायु परिवर्तन की चुनौती के बीच कृषि नवाचार बन रहे हैं सुरक्षा कवच : शेखावत

जयपुर/दक्षिण भारत । प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 20वीं किश्त के अंतरण के अवसर पर शनिवार को जिला स्तरीय किसान समारोह का आयोजन केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान (काजरी) के ऑडिटोरियम में किया गया। समारोह में केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत तथा संसदीय, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। केंद्रीय मंत्री शेखावत ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत छह हजार रुपये वार्षिक सहायता की 20वीं किश्त आज देशभर के करोड़ों किसानों के बैंक खातों में माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा एक क्लिक के माध्यम से अंतरित की गई है। यह केवल वित्तीय सहायता नहीं बल्कि किसानों के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का जीवंत प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारें कृषि क्षेत्र को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही हैं। पिछले छह दशकों में किसानों और वैज्ञानिकों ने समन्वित प्रयासों से देश को खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाया है। उन्नत बीज,आधुनिक कृषि तकनीक और नवाचारों का विस्तार इस परिवर्तन का आधार हैं। शेखावत ने कहा कि भारत आज न केवल विश्व का सबसे बड़ा खाद्यान्न उत्पादक देश है बल्कि मिलेट्स के क्षेत्र में भी वैश्विक अग्रणी स्थान रखता है। डेयरी, फल एवं सब्जी उत्पादन में भारत का दूसरा स्थान हमारी कृषि क्षमता को रेखांकित करता है। यह परिवर्तन एक खाद्यान्न संकटग्रस्त देश से खाद्यान्न समृद्ध राष्ट्र बनने की प्रेरणादायक यात्रा है।

ऑर्गन ट्रांसप्लांट और अवेयरनेस बढ़ाने पर राजस्थान को दो राष्ट्रीय अवार्ड

जयपुर, 2 अगस्त । मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की पहल पर हुए नीतिगत सुधारों एवं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के मार्गदर्शन से प्रदेश में निरंतर अंगदान जैसे पुनीत कार्य को बढ़ावा मिल रहा है। अंगदान के क्षेत्र में बेहतर काम करने और इस दिशा में व्यापक स्तर पर जन जागरूकता के लिए राजस्थान को इमरजिंग स्टेट इन ऑर्गन डोनेशन एंड ट्रांसप्लांटेशन और एक्सीलेंस इन प्रमोशन ऑफ ऑर्गन डोनेशन कैटगरी में दो राष्ट्रीय अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है।

नई दिल्ली के डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित गरिमामय समारोह में शनिवार को केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने यह दोनों अवार्ड प्रदान किए। चिकित्सा शिक्षा सचिव अम्बरीष कुमार एवं चिकित्सा शिक्षा आयुक्त इकबाल खान के साथ राजस्थान में अंगदान से जुड़ी चिकित्सा शिक्षा विभाग की टीम ने यह पुरस्कार ग्रहण किए। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने अंगदान के क्षेत्र में इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए अंगदान से जुड़े सभी अधिकारियों, कार्मिकों, संस्थाओं तथा इस पुनीत कार्य में उदारमन से आगे आए परिजनों को बधाई दी है।

उन्होंने कहा है कि अंगदान जीवन का सबसे महान उपहार है। यह किसी को नया जीवन देने का एक पुण्य कार्य है। एक व्यक्ति की इच्छा और सहमति से कई ज़िंदगियाँ बचाई जा सकती हैं। किसी ज़रूरतमंद को नया जीवन, नई रोशनी और नई उम्मीद दी जा सकती है। उन्होंने कहा कि आज भी हमारे देश में लाखों लोग ऐसे हैं जो अंग प्रत्यारोपण के इंतज़ार में हैं। यह इंतज़ार तभी खत्म हो सकता है जब हम सभी मिलकर अंगदान के महत्व को समझें और इसके लिए आगे आएँ। राज्य सरकार अंगदान की प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और सुरक्षित बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की है कि वे समाज में अंगदान के प्रति जागरूकता बढ़ाएं और ज्यादा से ज्यादा लोग स्वेच्छा से अंगदान के लिए संकल्प लें।

खींचन में बर्ड रेस्क्यू सेंटर की मांग कागजों में सिमटी : माली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

फलौदी। हजारों किलोमीटर का सफर तय कर सदियों से भारत आ रहे प्रवासी पक्षी कुरजां (डेमोइसेल क्रेन) के कारण राजस्थान में फलौदी जिले के खींचन गांव की पहचान विश्व पटल पर बनी हैं और इससे पर्यटन को भी काफी बढ़ावा मिलने के बावजद् इन पक्षियों के लिए कई सालों से की जा रही बर्ड रेस्क्यू सेंटर स्थापित करने की मांग कागजों में सिमट कर रह गई हैं। पक्षियों की सेवा में लगे प्रसिद्ध पक्षी प्रेमी एवं समाज सेवी सेवाराम माली ने बताया कि खींचन में इन पक्षियों के बीमार एवं घायल होने की स्थिति में उनके बचाव एवं उपचार के लिए खींचन में कोई बर्ड रेस्क्यू सेंटर नहीं हैं और वह इसकी मांग पिछले करीब 20 साल से कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि खींचन में कुरजां के आने का सिलसिला बहुत पुराना हैं और इनकी यहां हर वर्ष संख्या बढ़ते जाने से इस क्षेत्र ने न केवल राजस्थान और अपने देश में ही प्रसिद्धि पाई बल्कि यह विदेश में भी अपनी अलग पहचान कायम कर चुका हैं और हर कोई कुरजां के दीदार के लिए यहां लालायित रहता हैं। इससे पर्यटन को काफी बढ़ावा मिला हैं।

उन्होंने बताया कि कुरजां खींचन गांव में हर साल सर्दियों में डेरा डालती हैं और करीब छह महीने तक यहां अपने प्रवास के बाद वापस अपने वतन लौट जाती हैं। इस दौरान यहां हजारों की संख्या में कुरजां के आने से यहां गांव के खेतों, तालाब और चुग्गा घर के आस पास कुत्तों के हमलों एवं अन्य घटनाओं में कई कुरजां घायल हो जाती हैं जिन्हें फलौदी रेस्क्यू सेंटर पहुंचाया जाता है।

फलौदी में भी बर्ड रेस्क्यू सेंटर नहीं हैं, ऐसे में कुरजां का समय पर इलाज नहीं हो पाता है। इस कारण उन्होंने फलौदी में बर्ड रेस्क्यू सेंटर की मांग उठाई।

राज्य सरकार ने प्रदेश में प्रवासी पक्षियों के चोटग्रस्त होने पर उपचार के लिए भरतपुर के केवलादेव नेशनल पार्क, जोधपुर के खींचन, चूरु के तालछापर तथा पाली एवं जयपुर में बर्ड रेस्क्यू सेंटर स्थापित किए जाने की राज्य बजट वर्ष 2012-13 में घोषणा की थी लेकिन इनमें खींचन में बर्ड रेस्क्यू सेंटर अभी तक नहीं बन पाया है। उन्होंने बताया कि इसके लिए उन्होंने जनसुनवाई एवं रात्रि चौपाल कैम्प खींचन में 25 अक्टूबर 2016 को भी निवेदन किया। इसके बाद जिला प्रशासन ने वर्ष 2017 के शुरु में इसके लिए जमीन का आवंटन तो कर दिया लेकिन आज तक सेंटर नहीं बन पाया। उन्होंने बताया कि इसके लिए उन्होंने वन विभाग से भी निवेदन किया। इतना ही नहीं दो बार तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से भी गुहार लगाई लेकिन जमीन का आवंटन होने के बावजूद बर्ड रेस्क्यू सेंटर का निर्माण नहीं हो सका। उन्होंने बताया कि लगातार उनकी यह मांग जारी हैं और उन्हें उम्मीद हैं कि प्रदेश में इन प्रवासी पक्षियों के कारण बढ़ रहे पर्यटन के मद्देनजर राज्य सरकार इस पर ध्यान देगी। माली ने बताया कि खींचन गांव में कुरजां की संख्या में बढ़ोत्तरी हो रही हैं और पिछले करीब 40 हजार कुरजां ने यहां अपना पड़ाव डाला और उनका प्रवास का समय भी बढ़ता जा रहा है। यह प्रवासी पक्षियों का यहां सितंबर में आना सिलसिला शुरु हो जाता है और मार्च तक इनका प्रवास चलता है लेकिन इस बार तो कुछ कुरजां अप्रैल में भी यहां नजर आई। उन्होंने बताया कि अब लगभग एक महीने बाद फिर इन प्रवासी पक्षियों का खींचन में आने का सिलसिला शुरु हो जायेगा लेकिन बर्ड रेस्क्यू सेंटर का अभाव खलता रहेगा। उन्होंने बताया कि यहां पक्षियों के लिए एक चुग्गा घर बना रखा है जहां इन पक्षियों को उनके प्रवास के समय नियमित रूप से दाना डाला जाता है। उन्होंने बताया कि कुरजां के सम्मान में जिला प्रशासन द्वारा कुरजां महोत्सव भी मनाया जाता है और पिछले सात 17 मार्च को यह महोत्सव मनाया गया। माली ने बताया कि खींचन गांव वालों ने भी वर्ष 2024 में बोम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी की मदद से कुरजां महोत्सव का आयोजन किया गया।

राजनाथ ने संसद में 'ऑपरेशन सिंदूर' पर सवाल उठाने के लिए विपक्ष की आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कांग्रेस नीत विपक्ष पर सशस्त्र बलों द्वारा प्रदर्शित वीरता की सराहना करने के बजाय 'ऑपरेशन सिंदूर' पर सवाल उठाने का शनिवार को आरोप लगाया।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व अध्यक्ष ने यहां एक मीडिया घराने द्वारा आयोजित एक समारोह को संबोधित करते हुए यह भी आरोप लगाया कि सत्ता में रहने के दौरान कांग्रेस उग्रवाद के प्रति ''नरम'' रही और उसने ''वोट बैंक'' की खातिर ''भगवा आतंकवाद'' का सिद्धांत गढ़कर निर्दोष लोगों को फंसाने की कोशिश की। सिंह ने दावा किया, हाल में, हमने संसद के दोनों सदनों में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की। दोनों ही बहस 16-16 घंटे तक चलीं। विपक्ष, जिसने आक्रामक रुख अपनाया था, हक्का-बक्का रह गया। उन्होंने कहा कि यह ''खेदजनक'' है कि विपक्ष 'ऑपरेशन सिंदूर' पर सवाल उठा रहा है, जिसमें देश के बहादुर सशस्त्र बलों ने कई आतंकवादी ठिकानों को नष्ट किया। उन्होंने कहा कि इस मौके पर देश के सशस्त्र बलों को श्रद्धांजलि अर्पित करना आवश्यक है।

सिंह ने कहा, अतीत में भी यही परंपरा रही है। वर्ष 1971 के युद्ध के दौरान (जब इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री थीं), हमारे नेता अटल बिहारी वाजपेयी ने तत्कालीन सरकार का पूरे दिल से समर्थन किया था। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि 1999 में जब कारगिल की घटना हुई थी और वाजपेयी प्रधानमंत्री थे, राजनीतिक और सामाजिक एकता'' प्रदर्शित हुई थी। उन्होंने कहा, आतंकवाद को हमेशा के लिए जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए ऐसी एकता आवश्यक है।

रक्षा मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और पिछली कांग्रेस सरकारों के ''नरम'' रुख के बीच के अंतर को भी रेखांकित किया, जो ''वोट बैंक'' और ''तुष्टीकरण की राजनीति'' की चिंताओं से दबी हुई थी। सिंह ने 2013 में गांधी मैदान में हुए सिलसिलेवार विस्फोटों का जिक्र करते हुए कहा, लोग आज भी 2014 से पहले के दौर को याद करके सिहर उठते हैं, जब आतंकवादी हमले आम बात हो गए थे। इसी शहर में सिलसिलेवार बम विस्फोट हुए थे।

भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा, दूसरी तरफ, जैसा कि हमने मालेगांव विस्फोट मामले में देखा, भगवा आतंकवाद के नाम पर निर्दोष लोगों को फंसाया गया। फैसला सुनाने वाले न्यायाधीश ने टिप्पणी की कि आतंक का कोई धर्म नहीं होता। हम भी यही कहते आए हैं। इस मामले में भाजपा की पूर्व सांसद प्रज्ञा ठाकुर समेत सभी आरोपियों को हाल में बरी कर दिया गया।

सिंह ने कहा, वोट बैंक की राजनीति आतंकवाद के खिलाफ देश की लड़ाई को कमजोर करती है। पिछले 11 वर्षों में, इस खतरे के खिलाफ हमारा संकल्प और मजबूत हुआ है। हमारे सशस्त्र बलों का मनोबल आसमान छू रहा है। जो कुछ भी इस उत्साह को कम करता है, वह न तो राष्ट्रहित में है और न ही जनहित में।

सिंह ने मोदी के नेतृत्व में ''तेज आर्थिक प्रगति'' का भी जिक्र किया और कहा, एक दशक पहले हम दुनिया की 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था थे। आज हम चौथे स्थान पर हैं। अब कोई भी ताकत हमें शीर्ष पर पहुंचने से नहीं रोक सकती। देश सुरक्षित हाथों में है, और बिहार भी, जहां राजग सत्ता में है। यह विजयी जोड़ी और मजबूत होती जाए, यही कामना है।

केंद्र उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित के लिए प्रयास कर रहा : चौहान

पटना/भाषा। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को कहा कि केंद्र सरकार उर्वरकों की समय पर और पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने और प्रति हेक्टेयर कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए प्रयास कर रही है।

चौहान ने यहां प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त जारी करने के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, देश के किसानों का हित हमारे लिए सर्वोपरि है। कृषि मंत्री के रूप में किसानों की सेवा करना मेरे लिए ईश्वर की पूजा के समान है। कृषि भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और किसान उसकी आत्मा। उन्होंने प्रधानमंत्री धन-धान्य योजना जैसी पहल के माध्यम से, विशेष रूप से कम उपज वाले क्षेत्रों में, प्रति हेक्टेयर कृषि उत्पादकता बढ़ाने के प्रयासों पर जोर दिया। चौहान ने किसानों को उर्वरकों और कीटनाशकों की समय पर और पर्याप्त उपलब्धता का आश्वासन भी दिया तथा फसल नुकसान की भरपाई के लिए विभिन्न योजनाओं पर जोर दिया। उन्होंने कहा, कृषि क्षेत्र में अनुसंधान की दिशा अब दिल्ली से नहीं, बल्कि गांवों और किसानों के खेतों से तय होगी।

तेजस्वी यादव ने मसौदा मतदाता सूची में अपना नाम नहीं होने का दावा किया, उपमुख्यमंत्री ने किया खंडन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव ने शनिवार को दावा किया कि बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत निर्वाचन आयोग द्वारा प्रकाशित 'मसौदा मतदाता सूची' में उनका नाम नहीं है। हालांकि, उपमुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता सम्राट चौधरी के साथ ही पटना जिला प्रशासन ने इस दावे का खंडन करते हुए मसौदा मतदाता सूची का एक स्क्रीनशॉट साझा किया, जिसमें यादव का विवरण और तस्वीर देखी जा सकती है।

प्रेस वार्ता के दौरान, पूर्व उपमुख्यमंत्री यादव ने अपने फोन को एक बड़ी स्क्रीन से जोड़ा और अपना ईपीआईसी नंबर खोजने की कोशिश की, जिससे परिणाम आया कि 'कोई रिकॉर्ड नहीं मिला। तेजस्वी यादव ने कहा, देखिए! मैं खुद मतदाता के रूप में पंजीकृत नहीं हूं। इससे मैं चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य हो जाता हूं। शायद, मुझे नागरिक नहीं माना जाएगा और मैं इस घर में रहने के अधिकार से भी वंचित हो जाऊंगा। राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष यादव ने यह भी दावा किया कि जब बूथ स्तर का अधिकारी उनके यहां गणना प्रपत्र लेकर आया था, तो उसने उन्हें कोई रसीद नहीं दी। राजद नेता ने कहा, लेकिन, मैंने कोई कसर नहीं छोड़ते हुए अपना हस्ताक्षरित और विधिवत भरा हुआ फॉर्म सौंपते हुए अपनी तस्वीर खिंचवा ली थी। कुछ पत्रकारों ने यादव को सुझाव दिया कि वह शनिवार को निर्वाचन आयोग द्वारा सभी राजनीतिक दलों को उपलब्ध कराए गए मतदाता सूची के मसौदे का प्रिंटआउट देखें, हो सकता है उनका नाम उसमें हो।

'ऑपरेशन सिंदूर' में चोट कराची को लगी, चीख कांग्रेस की निकली: नकवी

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने शनिवार को मुख्य विपक्षी दल पर कटाक्ष करते हुए कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान 'चोट कराची को लगना,चीख कांग्रेस की निकलना' इस बात का प्रमाण है कि कुछ लोगों का राजनीतिक स्वार्थ और उनकी सियासत, राष्ट्रीय सुरक्षा पर हावी है। नकवी के कार्यालय की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा की दिल्ली इकाई की ओर से आयोजित 'कलाम को सलाम' सम्मेलन में उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा पर विपक्ष का रवैया अफसोसनाक है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता ने कहा, चोट कराची को-चीख कांग्रेस की निकलना, इस बात का प्रमाण है कि कुछ लोगों का राजनीतिक स्वार्थ और सियासत, राष्ट्रीय सुरक्षा सरोकार पर हावी है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस का भारतीय सेना के शौर्य और पराक्रम पर सवाल पहली बार नहीं उठा है, कारगिल विजय पर भी कांग्रेस पाकिस्तान के साथ सवाल-सुबूत की जुगलबंदी करके जीत के रंग में भ्रम का भंग घोलने का पाप कर चुकी है।

नकवी ने कहा, भारतीय जनता पार्टी और भारत ने एपीजे अब्दुल कलाम साहब को ऐसे वक्त में राष्ट्रपति बनाया था जब पूरे विश्व में अल-कायदा के आतंक, और इस्लाम को सुरक्षाकवच बना कर इंसानियत को लहूलुहान करने का शैतानी दौर चल रहा था। भारत ने दुनियाभर को संदेश दिया कि भारत में कलाम साहब जैसे राष्ट्रवादी जन्म लेते हैं, बिन लादेन जैस आतंकवादी नहीं।

संविधान से धर्मनिरपेक्षता, समाजवाद मिटाकर 'वैचारिक तख्तापलट' करना चाहते हैं भाजपा-आरएसएस : सोनिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने शनिवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, संविधान से समाजवाद एवं धर्मनिरपेक्षता को मिटाकर 'वैचारिक तख्तापलट' करने की कोशिश में हैं। उन्होंने कांग्रेस के विधि विभाग द्वारा आयोजित वार्षिक विधिक सम्मेलन के लिए भेजे गए संदेश में यह भी कहा कि कांग्रेस संविधान को सुरक्षित रखने के लिए संसद से लेकर सड़क तक संघर्ष जारी रखेगी।

पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद ने इस कार्यक्रम में सोनिया गांधी का संदेश पढ़ा।

सोनिया गांधी ने संदेश में कहा, यह हमारे लोकतंत्र का नैतिक आधार है, जो न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व पर आधारित है। इसे कांग्रेस के बलिदान और दूरदर्शिता ने आकार दिया। आज़ादी से पहले ही, कांग्रेस पार्टी ने भारतीयों द्वारा, भारतीय नागरिकों के लिए एक संविधान की कल्पना की थी।

उनके अनुसार, 1928 की नेहरू रिपोर्ट से लेकर 1934 में संविधान सभा की मांग तक, महात्मा गांधी और जवाहरलाल नेहरू ने इसकी नींव रखी और मसौदा समिति के अध्यक्ष के रूप में डॉ. बी. आर. अंबेडकर ने इन आदर्शों को मूर्त रूप दिया तथा उन्होंने चेतावनी दी थी कि सामाजिक और आर्थिक न्याय के बिना, राजनीतिक लोकतंत्र केवल एक दिखावा मात्र होगा।

सोनिया गांधी ने इस बात पर जोर दिया कि कांग्रेस ने इसे पहचाना और इस पर अमल किया, अधिकारों का विस्तार किया, संस्थाओं को मज़बूत किया और गरिमा व समावेशिता को कायम रखा। उन्होंने दावा किया, आज, संविधान संकट में है। भाजपा-आरएसएस, जिसने कभी स्वतंत्रता के लिए लड़ाई नहीं लड़ी या समानता को नहीं अपनाया, अब अपनी शक्ति का इस्तेमाल उसी ढांचे को ध्वस्त करने के लिए कर रहे हैं जिसका उसने लंबे समय से विरोध किया था। उनके वैचारिक पूर्वजों ने मनुस्मृति का महिमामंडन किया, तिरंगे को नकारा और एक हिंदू राष्ट्र की कल्पना की, जहां लोकतंत्र खोखला हो और भेदभाव सर्वोपरि हो। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने सत्ता में रहते हुए संस्थाओं को नष्ट किया है, असहमति को अपराध घोषित किया है, अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया है और दलितों, आदिवासियों, अन्य पिछड़ा वर्गों और मेहनतकश गरीबों के साथ विश्वासघात किया है।

कांग्रेस की प्रमुख नेता ने कहा, अब वे समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता, जो अंबेडकर के समान नागरिकता के दृष्टिकोण के स्तंभ हैं, को मिटाना चाहते हैं। यह कोई सुधार नहीं है, बल्कि एक वैचारिक तख्तापलट है जो हमारे लोकतांत्रिक गणराज्य की जगह एक ऐसे रूढ़ीवादी कॉरपोरेट तंत्र को स्थापित कर रहा है जो कुछ शक्तिशाली लोगों की सेवा करे।

ओडिशा के 34.85 लाख से अधिक किसानों को 697 करोड़ रुपए मिले : मुख्यमंत्री माझी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने किसानों से सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए धान के अलावा अन्य फसलों की खेती में विविधता लाने का शनिवार को आग्रह किया। उन्होंने कहा कि 34 लाख से अधिक किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत वित्तीय सहायता की 20वीं किस्त मिल चुकी है।

माझी ने यह बात ओडिशा में राज्य स्तरीय पीएम किसान सम्मान निधि कार्यक्रम में भाग लेते हुए कही। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वाराणसी में मुख्य समारोह में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से 9.7 करोड़ किसानों को सहायता राशि वितरित की। माझी ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि या पीएम किसान योजना किसानों को प्रगतिशील बनाने में सहायक रही है। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम किसानों को अर्थव्यवस्था की मुख्यधारा में जोड़ता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह योजना किसानों के विकास और गरीबी कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने यह भी कहा कि ओडिशा में 34.85 लाख से अधिक पात्र किसानों को 2,000-2,000 रुपए मिले और उनके बैंक खातों में कुल लगभग 697 करोड़ रुपए अंतरित किए गए। माझी ने कहा कि ओडिशा सरकार ने एक साल के भीतर किसानों के लिए कई योजनाएं लागू की हैं और किसानों को इनका लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य के 50 लाख से ज़्यादा किसानों को मुख्यमंत्री किसान योजना के तहत सालाना 4,000 रुपए की सहायता मिल रही है।

केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने तिरुपति मंदिर में पूजा-अर्चना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुपति/भाषा। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को यहां स्थित भगवान वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना की। टीटीडी ने बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम के अतिरिक्त कार्यकारी अधिकारी वेंकैया चौधरी ने इस अवसर पर गडकरी का भव्य स्वागत किया। बयान में कहा है, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को तिरुमला में भगवान वेंकटेश्वर की पूजा-अर्चना की। इसमें कहा गया है कि दर्शन के बाद, रंगनायकुला मंडपम में पुजारियों ने गडकरी को विशेष आशीर्वाद दिया। बाद में, अतिरिक्त कार्यकारी अधिकारी ने मंत्री को तीर्थ प्रसाद और भगवान की एक तस्वीर भेंट की।

स्कूल बंद करना पीडीए समाज के खिलाफ भाजपा की एक बहुत बड़ी साज़िश : अखिलेश यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए शनिवार को कहा कि राज्य की जनता समझ गई है कि स्कूल बंद करना दरअसल पीडीए समाज के खिलाफ भाजपा की एक बहुत बड़ी साजिश है।

सपा प्रमुख यादव ने शनिवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, उप्र की जनता समझ गई है कि स्कूल बंद करना दरअसल पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) समाज के खिलाफ भाजपा की एक बहुत बड़ी साजिश है, जिससे एक तरफ पीडीए समाज के लोग पढ़ न पाएं और मानसिक रूप से भाजपा का विरोध न कर पाएं, दूसरी तरफ इन स्कूलों में बनने वाले बूथ न बन पाएं जिससे पीडीए समाज वोट न डाल सके। इसी पोस्ट में पूर्व मुख्यमंत्री ने दावा किया, भाजपा का ये सामाजिक-मानसिक और राजनीतिक षड्यंत्र हम कभी सफल नहीं होने देंगे। भाजपा जाए तो शिक्षा आए! बाद में सपा मुख्यालय की ओर से जारी एक बयान में अखिलेश यादव ने कहा, समाजवादी पार्टी का पीडीए पाठशाला का अभियान जारी है। यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के एजेंडे में शिक्षा, नौकरी, रोजगार नहीं है। भाजपा की 'डबल इंजन' की सरकार हर मोर्चे पर फेल है। शिक्षार्थी और शिक्षक सड़क पर आंदोलन करने पर मजबूर है। उन्होंने कहा, भाजपा सरकार नौजवानों का वर्तमान और भविष्य दोनों बर्बाद करने की दोषी है। इस सरकार ने देश के युवाओं को धोखा दिया है।

'कुछ विपक्षी दल एसआईआर की अनुचित आलोचना कर रहे हैं'

कोलकाता/भाषा। केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह ने शनिवार को कहा कि मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) केंद्र द्वारा नहीं किया जा रहा है, बल्कि यह पूरी तरह से निर्वाचन आयोग के अधिकार क्षेत्र में है।

केंद्रीय मत्स्य पालन एवं पशुपालन मंत्री सिंह ने कुछ राजनीतिक दलों पर अपने फायदे के लिए इस मुद्दे का राजनीतिकरण करने का भी आरोप लगाया। पश्चिम बंगाल, झारखंड और बिहार के मत्स्य अधिकारियों के साथ बैठक के बाद यहां पत्रकारों से बात करते हुए सिंह ने पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस सरकार के उन आरोपों को खारिज कर दिया कि भाजपा शासित राज्यों में बांग्ला भाषी प्रवासियों को परेशान किया जा रहा है। सिंह ने एक सवाल के जवाब में कहा, मतदाता सूची की एसआईआर केंद्र सरकार द्वारा शुरू नहीं की गई है। यह निर्वाचन आयोग द्वारा किया जा रहा है। सिंह ने कहा, निर्वाचन आयोग केवल यह सत्यापित कर रहा है कि इस देश के असली नागरिक कौन हैं। क्या आपको नहीं लगता कि जो लोग मर चुके हैं या देश से बाहर जा चुके हैं, उनके नाम मतदाता सूची से हटा दिए जाने चाहिए?'' उन्होंने कहा, दुर्भाग्य से कुछ विपक्षी दल मृतकों के नाम मतदाता सूची में दर्ज कराने में रुचि रखते हैं।

मूल निवासियों के सार्वजनिक भूमि पर कब्जा करने को सरकार अतिक्रमण नहीं मानती : हिमंत

उदालगुड़ी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को कहा कि मूल निवासियों द्वारा सार्वजनिक भूमि पर अनाधिकृत कब्जे को सरकार अतिक्रमण नहीं मानती। यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक कार्यक्रम से इतर शर्मा ने संवाददाताओं से कहा कि सरकार राज्यभर में संदिग्ध विदेशियों द्वारा किए गए अतिक्रमणों के खिलाफ अपना बेदखली अभियान जारी रखेगी। उन्होंने कहा, अतिक्रमण दो तरह के होते हैं। अगर मूल निवासी (अनधिकृत रूप से) रह रहे हैं, तो हम इसे अतिक्रमण नहीं मानते। जो लोग बांग्लादेश से आए हैं हम केवल उन्हीं मामलों को अतिक्रमण मानते हैं।

ईडी ने 'फर्जी' बैंक गारंटी मामले में ओडिशा की कंपनी के प्रबंध निदेशक को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने व्यापारिक समूहों के लिए ''फर्जी'' बैंक गारंटी जारी करने वाला गिरोह संचालित करने के आरोप में ओडिशा की एक कंपनी के प्रबंध निदेशक को गिरफ्तार किया है। इस गिरोह ने रिलायंस समूह की एक कंपनी के लिए कथित रूप से 68 करोड़ रुपए की गारंटी भी दी गई थी। आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। संघीय जांच एजेंसी ने शुक्रवार को भुवनेश्वर स्थित 'बिस्वाल ट्रेडलिंक' कंपनी के खिलाफ धन शोधन के इस मामले में छापेमारी शुरू की थी। सूत्रों ने बताया कि 'बिस्वाल ट्रेडलिंक' के प्रबंध निदेशक पार्थ सारथी बिस्वाल को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत शुक्रवार को भुवनेश्वर से हिरासत में लिया गया।

ईडी द्वारा पीएमएलए के तहत दर्ज किया गया मामला दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) द्वारा नवंबर 2024 में दर्ज की गई एक प्राथमिकी से जुड़ा है। ईडी ने शुक्रवार को कंपनी के भुवनेश्वर स्थित तीन परिसरों और कोलकाता स्थित एक ''सहयोगी'' कंपनियों की तलाशी ली थी। एजेंसी के सूत्रों ने आरोप लगाया कि यह कंपनी आठ प्रतिशत कमीशन लेकर ''फर्जी'' बैंक गारंटी जारी करने का काम कर रही थी। उन्होंने बताया कि 'रिलायंस पावर' की सहायक कंपनी 'रिलायंस एनयू बीईएसएस लिमिटेड' की ओर से सोलर 'एनर्जी कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड' (एसईसीआई) को जमा की गई 68.2 करोड़ रुपए की बैंक गारंटी ''फर्जी'' पाई गई।

जायसवाल के शतक से दूसरी पारी में भारत का स्कोर 300 रन के पार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन/भाषा। यशस्वी जायसवाल (118) की शतकीय पारी से भारत ने पांचवें टेस्ट मैच के तीसरे दिन शनिवार को यहां इंग्लैंड के खिलाफ चाय के विश्राम तक छह विकेट पर 304 रन बना लिए। भारत की बढ़त 281 रन तक पहुंच गई जबकि उसके चार विकेट शेष है।

चाय के विश्राम के लिए खेल रोको जाते समय रविंद्र जडेजा (26) के साथ विकेटकीपर ध्रुव जुरेल (25) क्रीज पर मौजूद थे। दोनों ने सातवें विकेट के लिए 31 रन की अटूट साझेदारी कर ली है। जायसवाल ने 164 गेंद की पारी में 14 चौके और दो छक्के की मदद से इस दौरे का दूसरा शतक जड़ा।

दिन के शुरुआती सत्र में असरहीन रहे इंग्लैंड के गेंदबाजों ने हालांकि इस सत्र में कप्तान शुभमन गिल (11), करुण नायर (17) और जायसवाल के विकेट झटक कर अच्छी वापसी की।

गस एटकिंसन ने सत्र की पहली ही गेंद पर गिल को पगबाधा करने के बाद नायर को विकेटकीपर के हाथों कैच कराया। जायसवाल जोस टंग के खिलाफ आक्रामक शॉट खेलने की कोशिश में बैकवर्ड प्वाइंट बाउंड्री के पास जैमी ओवरटन को कैच दे बैठे।

युवा एथलीटों को सशक्त बनाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : रक्षा खडसे

जलगांव (महाराष्ट्र)/भाषा। केंद्रीय युवा मामले और खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे ने 38वीं राष्ट्रीय अंडर-11 शतरंज चैम्पियनशिप का उद्घाटन करते हुए शनिवार को यहां कहा कि सरकार युवा खिलाड़ियों को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

अंडर-11 शतरंज चैम्पियनशिप में 550 से अधिक खिलाड़ी चुनौती पेश करेंगे। इस आठ लाख ईनामी प्रतियोगिता में अधिकांश फिडे-रेटिड खिलाड़ी हैं। इस चैम्पियनशिप का आयोजन स्विस लीग प्रारूप में 11 दौर में होगा। इसमें प्रतिभागियों के पास अपनी फिडे अंतरराष्ट्रीय रेटिंग में सुधार करने का मौका होगा। टूर्नामेंट का उद्घाटन करते हुए खडसे ने कम उम्र में खिलाड़ियों को मौका दिए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह टूर्नामेंट जमीनी स्तर पर एक जीवंत खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के मंत्रालय के दृष्टिकोण के अनुरूप है। उन्होंने 'खेलो भारत नीति 2025' और 'खेलो इंडिया' जैसे प्रमुख कार्यक्रमों के माध्यम से युवा खिलाड़ियों को सशक्त बनाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए कहा कि इन पहलों का उद्देश्य खेल प्रतिभाओं को पोषित करना, फिटनेस को बढ़ावा देना और भविष्य के खेल चैंपियनों को विकसित करने के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा प्रदान करना है।

सुविचार

कई रातें मैंने जागकर बिताई हैं, आज के महान सुबह के लिए जहाँ मैं अपने प्रयासों को सफल होते देख रहा हूँ।

ट्वीट

आज प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा झच किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त के अंतर्गत देशभर के 9.7 करोड़ किसानों को 20,500 करोड़ की राशि डीबीटी के माध्यम से सीधे खातों में हस्तांतरित की गई।

-मदन राठौड़

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक आदरणीय श्री माणकचंद जी भाईसाहब के देवलोकगमन के उपरांत आज पाथेय भवन पहुंचकर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। भाईसाहब का जीवन राष्ट्रभक्ति, सेवा और संगठन के प्रति पूर्ण समर्पण का प्रतीक था।

-दीया कुमारी

कहानी

शोध कार्य और विषय

डॉ राजन शोध कार्य के विषय को लेकर समर के लिए आ रही सिफारिशों से और तथाकथित स्वयंभू साहित्यकार डॉ प्यारेलाल 'विचित्र' के साहित्यिक ज्ञान और समझ के बारे में जानकर बहुत परेशान हो गए थे। उनकी इस विषय में कही गई कोई भी बात समर और उसके चाचाजी को समझ नहीं आ रही थी। डॉ राजन ने आने वाले समय में इसमें किसी भी तरह के राजनीतिक दखल की संभावना को भांप गए थे। उन्होने इस शोध कार्य के सभी पहलुओं पर अच्छी तरह सोचने के बाद समर को फोन कर उसे अपना पी एच डी गाइड बदलने के लिए और डॉ प्यारेलाल 'विचित्र' के संग्रह अपने यहां से ले जाकर उन्हे लौटाने के लिए कहा।

विश्वविद्यालय में हिन्दी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राजन हिन्दी साहित्य जगत में एक जाने माने हस्ताक्षर हैं। विद्वान, सरल और सहृदय प्रो राजन अपने आदर्शों के साथ उच्च जीवन मूल्यों को जीने वाले व्यक्तित्व हैं। विगत वर्षों से शिक्षा में हो रहे व्यवसायीकरण से वे अछूते ही रहे हैं। उनके द्वारा लिखी पुस्तकें कॉलेज शिक्षा के पाठ्यक्रम में शामिल हैं। देश ही नहीं विदेश के भी प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में हिन्दी भाषा और साहित्य के विभिन्न उच्च शैक्षणिक कार्यक्रमों में उन्हें प्राथमिकता से बुलाया जाता है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्र-पत्रिकाओं में उनकी विविध विधाओं में साहित्यिक रचनाएं समय-समय पर प्रकाशित होती रहती हैं। शहर में होने वाली साहित्यिक गोष्ठियों, मंचों, खुद के सम्मान और पुरस्कृत होने वाले समारोहों से हमेशा दूर रहने वाले प्रो. राजन का अपना ही रचना संसार है। एक मार्गदर्शक (गाइड) के रुप में डॉ राजन जिन छात्रों को अपने मार्गदर्शन में पीएचडी करवा चुके हैं उनकी लम्बी सूची है। उनमें से बहुत छात्र शिक्षा और प्रशासनिक सेवा के अपने-अपने क्षेत्र में उनका नाम रोशन कर रहे हैं।

कुछ समय पूर्व उनके मार्गदर्शन में पी एच डी करने के लिए स्थानीय छात्र समर का चयन हुआ था। विश्वविद्यालय के अपने चैंबर में समर से पहली बार मिलने पर डॉ राजन उसके बोलने और व्यक्तित्व से प्रभावित नहीं हुए थे। समर के बोलने में उच्चारण दोष ही नहीं था बल्कि वह ढंग से हिन्दी भी नहीं बोल सकता था। समर से बातचीत में उसकी भाषा और हिन्दी व्याकरण दोष के कारण कुछ भी समझना अपने आप में एक कठिन कार्य था। डॉ राजन यह सोचने पर मजबूर हो गए कि पीएचडी करने के लिए लिखित प्रवेश परीक्षा तो समर ने पास कर ली लेकिन उसके साक्षात्कार में वह कैसे पास हो गया? क्या यह किसी विशेष सिफारिश से पास हुआ है? अगर यह शोध कार्य करने के बाद किसी तरह शैक्षणिक कार्य में आ गया तो यह पढ़ाएगा कैसे? इस तरह के कई सवालों के जवाब ढूंढने का असफल प्रयास करते हुए उन्होंने समर से पीएचडी के शोध कार्य के विषय के बारे में एक बाद में मिलने के लिए कहा।

डॉ राजन के पास कुछ परिचित और बहुत अपरिचित लोगों के मोबाइल कॉल समर के पीएचडी के शोध कार्य के विषय को लेकर आने लगे थे। विश्वविद्यालय के भी जिन लोगों से उनका कभी परिचय ही नहीं हुआ था वे उनसे अपना परिचय बताने और बढ़ाने में लगे थे। डॉ राजन को लगने लगा मानो शोध कार्य के विषय के चयन को लेकर सलाहकारों की एक टीम तैयार खड़ी थी। वे सभी शोध कार्य के विषय के बारे में साहित्यकार के पक्ष में माहौल बना रहे थे। जबकि विषय के बारे में डॉ राजन द्वारा तब तक कोई निर्णय नहीं लिया गया था। लेकिन इसके लिए सिफारिशों का दौर पहली बार ही देखने को मिल रहा था। इन सबसे डॉ राजन परेशान हो गए थे। वे समर की इतनी जान पहचान से वाकई हैरान थे।अपने जानकारों की आने वाली कॉल से जब उन्होने समर के इतने संपर्क के बारे में कुछ जानकारी चाही तो पता चला कि वह साधारण पारिवारिक और शैक्षणिक पृष्ठभूमि से संबंध रखता था। उसके एक चाचाजी, जोकि एक क्षेत्रीय राजनीतिक दल के जिला स्तर पर सक्रिय सदस्य थे, के कहने से उनके जानकार प्रो राजन को सिफारिश कर रहे थे। उन्हे सिफारिश करने वाला हर दूसरा व्यक्ति खुद को हिन्दी का साहित्यकार बता रहा था। समर के शोध कार्य का विषय साहित्यकार पर ही हो इसके लिए बिना मांगे अपनी राय भी दे रहा था।

अगले दिन सुबह डॉ राजन के पास अनजान नम्बर से मोबाइल कॉल आया। उस समय व्यस्तता के कारण वह कॉल रिसीव नहीं किया। लेकिन दिन में अलग-अलग समय उसी नम्बर से बार-बार कॉल आने पर अन्ततः प्रो राजन ने देर दोपहर बाद वह कॉल रिसीव किया। वह जिन सज्जन का था, उन्होंने अपना नाम साहित्यकार डॉ प्यारेलाल और उपनाम 'विचित्र' बताते हुए खुद को समर का चाचाजी बताया। डॉ राजन द्वारा उन्हे नहीं पहचानने पर बड़ी आत्मीयता से वे बताने लगे कि सर, आप पहले व्यक्ति हैं जो स्थानीय शिक्षाविद होने के बावजूद मुझे नहीं पहचानते। मेरी हिन्दी कविताओं और कहानियों के बहुत संग्रह प्रकाशित हो चुके हैं। स्थानीय और प्रदेश स्तर पर अनेक बार पुरस्कृत हो चुका हूं। हिन्दी साहित्य जगत में मैं एक जाना पहचाना और स्थापित नाम हूं। प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर की विभिन्न पत्र- पत्रिकाओं में मेरी साहित्यिक रचनाएं समय-समय पर प्रकाशित होती रहती हैं।

मेरे साहित्यिक रचना संसार और योगदान के बारे में जानने के लिए मैं समर के साथ आपको मेरे कविता संग्रह और कहानी संग्रह की प्रति भिजवा दूंगा। आप उन्हे पढ़ना और अपनी राय बताना..... इसके अलावा भी वे राजन को देर तक स्वयं पुराण सुनाते रहे। उनके भाषा और उच्चारण दोष के कारण डॉ राजन को डॉ प्यारेलाल 'विचित्र' सुनने में कोई दिलचस्पी नहीं थी। उन्होंने मिलने की इच्छा जाहिर करी तो राजन ने बाद में कभी मिलने का कहते हुए बात खत्म करी।

डॉ राजन ने डॉ प्यारेलाल 'विचित्र' के बारे में कभी सुना नहीं था। उन्होंने न ही कभी इन तथाकथित शख्सियत को कहीं पढ़ा या मुलाकात हुई। हां, समर पर उन्हे जरुर गुस्सा आया। वे सोचने लगे कि समर किस तरह अपना शोध कार्य करना चाहता है, यह उनकी समझ से परे था। शाम को ही समर उनके घर मिठाई का एक डिब्बा और डॉ प्यारेलाल 'विचित्र' द्वारा भेजे गए उनके संग्रह की प्रतियां लेकर पहुंच गया। उन्होंने मिठाई लेने से इंकार करते हुए उसे भविष्य में ऐसा नहीं करने का कहा। उसे किसी भी तरह की कोई सिफारिश नहीं कराने की हिदायत भी दी। क्योंकि वे किसी सिफारिश को नहीं मानते थे और समर के शोध कार्य में किसी तरह की सिफारिश की कोई आवश्यकता भी नहीं थी। लेकिन इसके बावजूद यह सिलसिला अगले दिन भी बदस्तूर जारी रहा। समर और उसके लिए सिफारिश करने वाले लोग डॉ राजन के व्यक्तित्व और स्वभाव से शायद पूरी तरह परिचित नहीं थे। क्योंकि वे यह नहीं जानते थे कि इन सबके चलते नुकसान समर का ही होना था।

डॉ प्यारेलाल 'विचित्र' द्वारा समर के साथ भेजे गए उनके कविता और कहानी संग्रह की एक दो रचनाएं पढ़ने के बाद डॉ राजन सोचने लगे कि वास्तव में यह सज्जन विचित्र ही है। संग्रह में उनके परिचय में लिखी शैक्षणिक योग्यता में उनके पी एच डी करे होने का कहीं जिक्र नहीं था। डॉ राजन को यह समझते देर नहीं लगी कि डॉ प्यारेलाल 'विचित्र' ने किसी विदेशी विश्वविद्यालय से पैसे देकर डॉक्टरेट की मानद उपाधि लेकर अपने नाम के आगे डॉ लिख रखा था। कई प्रसिद्ध विश्वविद्यालय अति विशिष्ट व्यक्तियों को उनके क्षेत्र विशेष में उल्लेखनीय उपलब्धि पर डॉक्टरेट की मानद उपाधि देते हैं। लेकिन डॉ प्यारेलाल 'विचित्र' इस श्रेणी में कतई नहीं आते। अपने नाम के आगे डॉ लिखकर अपनी विद्वता के बारे में वे क्या संदेश देना चाहते हैं ये तो वे ही जाने? उनकी विद्वता का परिचय तो उनकी रचनाओं को पढ़कर और उनसे बात करने से वैसे ही हो जाता है।

यह डॉक्टरेट की मानद उपाधि आज भी बिना किसी विशेष शैक्षणिक योग्यता के कई विदेशी विश्वविद्यालयों के हमारे देश में खुले केंद्र से किसी भी व्यक्ति को मिल सकती है। डॉ प्यारेलाल 'विचित्र' की रचनाएं पढ़ने के बाद कोई भी व्यक्ति इस बात को भलीभांति समझ सकता था कि उनको अपने साहित्यिक ज्ञान और समझ के बारे में कुछ नहीं पता था। किसी भी रचनाकार के प्रकाशित संग्रहों की संख्या के आधार पर उसके साहित्यिक ज्ञान और स्तर को नहीं परखा जा सकता। रचनाकार के लेखन पर भाषा का ज्ञान, विषय की समझ और बौद्धिक स्तर गहरा प्रभाव डालता है। दुर्भाग्य से प्यारेलाल 'विचित्र' की रचनाओं में हिन्दी भाषा, शब्दावली के कम ज्ञान के साथ हिन्दी व्याकरण और शाब्दिक त्रुटि सामान्य बात थी। उनकी रचनाओं में कई जगह एक का बहुवचन अनेक की जगह अनेकों, श्रीमती की जगह श्रीमति, पति की जगह पती, संतोष की जगह सन्तोश, सुख की जगह सूख, धुआं की जगह धुंआ, वधू की जगह वधु आदि अशुद्धियों की भरमार थी।

दो दिन बाद ही जब मोबाइल फोन पर आ रही अनजान नम्बर की कॉल को डॉ राजन ने रिसीव किया तो वह डॉ प्यारेलाल 'विचित्र' की थी। कुछ इधर-उधर की बात करने के बाद डॉ प्यारेलाल जी समर के शोध कार्य के विषय के बारे में अपनी राय देने लगे सर, आपको इस बार किसी हिन्दी साहित्यकार के रचना संसार और योगदान पर समर से शोध कार्य कराना चाहिए। और इसके लिए आपको शोध सामग्री भी भरपूर मिल जाएगी। कम मेहनत में ही श्रेष्ठ कार्य हो जाएगा। इस कार्य के लिए मैं हर संभव मदद करने के लिए तैयार हूं। आप मेरी बात माने और विषय के लिए अब साहित्यकार का चयन कर ही लें।..... डॉ राजन ने जब साहित्यकार के नाम और विषय के बारे में पूछा तो डॉ प्यारेलाल ने तपाक से कहा मैं,....वरिष्ठ साहित्यकार डॉ प्यारेलाल 'विचित्र' और मेरा व्यक्तित्व, कृतित्व और हिन्दी साहित्य में योगदान .....

यह सुनते ही डॉ राजन ने कॉल सुननी बंद कर दी। वे बड़ी गंभीरता से इस बारे में सोचने लगे कि साहित्य जगत में साहित्यकार होने के कुछ तो मापदंड होने चाहिए। वरना डॉ प्यारेलाल 'विचित्र' जैसे स्वयम्भू साहित्यकारों से तो हिन्दी साहित्य का कतई भला नहीं होने वाला था। पीएचडी की उपाधि की अपनी प्रतिष्ठा होती है। इसमें शोध के विषय का चयन बहुत महत्वपूर्ण होता है। जहां एक ओर प्रो राजन ने अपने साहित्य रचना संसार के विषय की किसी गाइड को उनके छात्र को शोध कार्य के लिए कभी अनुमति नहीं दी। जिसके लिए हर बार गाइड और छात्र उनसे प्रार्थना करते रहे थे। वहीं दूसरी ओर डॉ प्यारेलाल 'विचित्र' जैसे स्वयम्भू साहित्यकार भी थे, जो शोध विषय के रुप में अपने रचना संसार पर ही शोध कार्य करवाने के सपने संजोए हुए थे। ये हिन्दी साहित्य में अपने स्तर पर जितना नुकसान कर सकते थे कर चुके थे। ऐसे विचित्र सज्जन को साहित्य जगत में प्रोत्साहित करने वालों के साहित्य की समझ, ज्ञान और बौद्धिक स्तर के बारे में भी प्रो राजन के दिमाग में कई प्रश्न उठने लगे थे।

डॉ राजन शोध कार्य के विषय को लेकर समर के लिए आ रही सिफारिशों से और तथाकथित स्वयंभू साहित्यकार डॉ प्यारेलाल 'विचित्र' के साहित्यिक ज्ञान और समझ के बारे में जानकर बहुत परेशान हो गए थे। उनकी इस विषय में कही गई कोई भी बात समर और उसके चाचाजी को समझ नहीं आ रही थी। डॉ राजन ने आने वाले समय में इसमें किसी भी तरह के राजनीतिक दखल की संभावना को भांप गए थे। उन्होने इस शोध कार्य के सभी पहलुओं पर अच्छी तरह सोचने के बाद समर को फोन कर उसे अपना पी एच डी गाइड बदलने के लिए और डॉ प्यारेलाल 'विचित्र' के संग्रह अपने यहां से ले जाकर उन्हे लौटाने के लिए कहा। डॉ राजन ने समय रहते विश्वविद्यालय को समर को पीएचडी के शोध कार्य को करवाने में अपनी असमर्थता की सूचना का ईमेल कर दिया।

सुधीर केवलिया

फोन नं. : 09413279217

संजय उवाच

■ संजय भारद्वाज

9890122603

writersanjay@gmail.com

शिवोऽहम...(3)

निर्वाण षटकम का हर शब्द मनुष्य के अस्तित्व पर हुए सारे अनुसंधानों से आगे की यात्रा कराता है। इसका सार मनुष्य को स्थूल और सूक्ष्म की अवधारणा के परे ले जाकर ऐसे स्थान पर खड़ा कर देता है जहाँ ओर से छोर तक केवल शुद्ध चैतन्य है। वस्तुत: लौकिक अनुभूति की सीमाएँ जहाँ समाप्त होती हैं, वहाँ से निर्वाण षटकम जन्म लेता है। तृतीय श्लोक के रूप में जगद्गुरु आदि शंकराचार्य का परिचय और विस्तृत होता है,

न मे द्वेषरागौ न मे लोभमोहौ
मदो नैव मे नैव मात्सर्यभाव:
न धर्मो न चार्थो न कामो न मोक्ष:
चिदानन्दरूप: शिवोऽहम शिवोऽहम।।3।।

अर्थात न मुझे द्वेष है, न ही अनुराग। न मुझे लोभ है, न ही मोह। न मुझे अहंकार है, न ही मत्सर या ईर्ष्या की भावना। मैं धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष से परे हूँ। मैं सदा शुद्ध आनंदमय चेतन हूँ, मैं शिव हूँ , मैं शिव हूँ।

राग मनुष्य को बाँधता है जबकि द्वेष दूरियाँ उत्पन्न करता है। राग-द्वेष चुंबक के दो विपरीत ध्रुव हैं। चुंबक का अपना चुंबकीय क्षेत्र है। अनेक लोग, समान और विपरीत ध्रुवों के निकट आने से उपजने वाले क्रमश: विकर्षण और आकर्षण तक ही अपना जीवन सीमित कर लेते हैं। यह मनुष्य की क्षमताओं की शोकांतिका है। इसी तरह मोह ऐसा खूँटा होता है जिससे मनुष्य पहले स्वयं को बाँधता है और फिर मोह मनुष्य को बाँध लेता है। लोभ मनुष्य को सीढ़ी दर सीढ़ी मनुष्यता से नीचे उतारता जाता है। इनसे मुक्त हो पाना लौकिक से अलौकिक होने, तमो गुण से वाया रजो गुण, वाया सतो गुण, गुणातीत होने की यात्रा है।

एक दृष्टांत स्मरण हो आ रहा है। संन्यासी गुरुजी का एक नया-नया शिष्य बना। गुरुजी दैनिक भ्रमण पर निकलते तो उसे भी साथ रखते। कोई न कोई शिक्षा भी देते। आज भी मार्ग में गुरुजी शिष्य को अपरिग्रह की शिक्षा देते चल रहे थे। संन्यास और संचय का विरोधाभास समझा रहे थे। तभी शिष्य ने देखा कि गुरुजी एक छोटे-से गड्ढे के पास रुक गये, मानो गड्ढे में कुछ देख लिया हो। अब गुरुजी ने हाथ से मिट्टी उठा-उठाकर उस गड्ढे को भरना शुरू कर दिया। शिष्य ने झाँककर देखा तो पाया कि गड्ढे में कुछ स्वर्णमुद्राएँ पड़ी हैं और गुरुजी उन्हें मिट्टी से दबा रहे हैं। शिष्य के मन में विचार उठा कि अपरिग्रह की शिक्षा देनेवाले गुरुजी के मन में स्वर्णमुद्राओं को सुरक्षित रखने का विचार क्यों उठा? शिष्य का प्रश्न गुरुजी पढ़ चुके थे। हँसकर बोले, पीछे आनेवाले किसी पथिक का मन न डोल जाए, इसलिए मैं मिट्टी पर मिट्टी डाल रहा हूँ।

मिट्टी पर मिट्टी डालने की लौकिक गतिविधि में निहितार्थ गुणातीत होने की अलौकिकता है।

गतिविधि के संदर्भ में देखें तो धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष जीवन के चार पुरुषार्थ हैं। इनमें से हर पुरुषार्थ की विवेचना अनेक खंडों के कम से कम एक ग्रंथ की मांग करती है। यदि इनके प्रचलित सामान्य अर्थ तक ही सीमित रहकर भी विचार करें तो धर्म, अर्थ, काम या मोक्ष की लालसा न करना याने इन सब से ऊपर उठकर भीतर विशुद्ध भाव जगना। 'विशुद्ध', शब्द लिखना क्षण भर का काम है, विशुद्ध होना जन्म-जन्मांतर की तपस्या का परिणाम है।

परिणाम कहता है कि तुम अनादि हो पर आदि होकर रह जाते हो। तुम अनंत हो पर अपने अंत का साधन स्वयं जुटाते हो। तुम असीम हो पर तन और मन की सीमाओं में बँधे रहना चाहते हो। तुम असंतोष और क्षोभ ओढ़ते हो जबकि तुम परम आनंद हो।

राग, द्वेष, लोभ, मोह, मद, मत्सर, धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष इन सब से हटकर अपने अस्तित्व पर ध्यान केंद्रित करो। तुम अनुभव करोगे अपना अनादि रूप, अनुभूति होगी अंतर्निहित ईश्वरीय अंश की, अपने भीतर के चेतन तत्व की। तब शव होने की आशंका समाप्त होने लगेगी, बचेगी केवल संभावना, जो प्रति पल कहेगी 'शिवोऽहम।'

बोध कथा

हाथी और गौरैया

किसी पेड़ पर एक गौरैया अपने पति के साथ रहती थी। वह अपने घोंसले में अंडों से चूजों के निकलने का बेसब्री से इंतज़ार कर रही थी। एक दिन की बात है गौरैया अपने अंडों को से रही थी और उसका पति भी रोज की तरह खाने के इन्तेजाम के लिए बाहर गया हुआ था। तभी वहां एक गुस्सैल हाथी आया और आस-पास के पेड़ पौधों को रौंदते हुए तोड़-फोड़ करने लगा। उसी तोड़ फोड़ के दौरान वह गौरैया के पेड़ तक भी पहुंचा और उसने पेड़ को गिराने के लिए उसे जोर-जोर से हिलाया, पेड़ को काफी मजबूत था इसलिए हाथी पेड़ को तो नहीं तोड़ पाया और वहां से चला गया, लेकिन उसके हिलाने से गौरैया का घोसला टूटकर नीचे आ गिरा और उसके सारे अंडे फूट गए।

गौरैया बहुत दुखी हुयी और जोर जोर से रोने लगी, तभी उसका पति भी वापस आ गया, वह भी बेचारा बहुत दुखी हुआ और उन्होंने हाथी से बदला लेने और उसे सबक सिखाने का फैसला किया।

वे अपने एक मित्र; जो कि एक कठफोड़वा था; के पास पहुंचे और उसे सारी बात बताई। वे हाथी से बदला लेने के लिए कठफोड़वा की मदद चाहते थे। उस कठफोड़वा के दो अन्य दोस्त थे; एक मधुमक्खी और एक मेंढक। उन्होंने मिलकर हाथी से बदला लेने की योजना बनाई।

तय योजना के तहत सबसे पहले मधुमक्खी ने काम शुरू किया। उसने हाथी के कान में गाना गुनगुनाना शुरू किया। हाथी को उस संगीत में मजा आने और जब हाथी संगीत में डूबा हुआ था, तो कठफोड़वा ने अगले चरण पर काम करना शुरू कर दिया। उसने हाथी की दोनों आँखें फोड़ दी। हाथी दर्द से कराहने लगा।

उसके बाद मेंढक अपनी पलटन के साथ एक दलदल के पास गया और सब मिलकर टर्राने लगे। मेंढकों का टर्राना सुनकर हाथी को लगा कि पास में ही कोई तालाब है। वह उस आवाज की दिशा में गया और दलदल में फंस गया। इस तरह से हाथी धीरे-धीरे दलदल में फंस गया और मर गया।

वीर गाथा

हवलदार संजय कुमार : गोली लगने से भी नहीं डगमगाए कदम, उग्रवादियों का खात्मा करके ही लिया दम

हवलदार संजय कुमार 9 असम राइफल्स के वीर योद्धा हैं, जिन्होंने उग्रवाद के खिलाफ सुरक्षा बलों की कार्रवाई में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। माता सुमित्रा देवी और पिता लाल सिंह के बेटे संजय कुमार को 13 मई, 2023 को चार सशस्त्र उग्रवादियों की मौजूदगी के बारे में खुफिया सूचना मिली थी।

इसके बाद दोपहर 11 बजे जवानों की एक टुकड़ी रवाना की गई, जो डेढ़ घंटे बाद उस इलाके में पहुंच गई थी। हवलदार संजय कुमार अपने साथी जवानों को लेकर आगे बढ़ते जा रहे थे। अचानक उन्हें दो उग्रवादी दिखाई दिए। वे उनसे 10 मीटर से भी कम दूरी पर थे।

संजय ने उन्हें ललकारा और आत्मसमर्पण करने के लिए कहा। उग्रवादियों ने उन पर स्वचालित हथियारों से गोलीबारी शुरू कर दी थी। इस दौरान हवलदार संजय कुमार को दाहिनी पिंडली में गोली लगी। उन्होंने बहते खून और तेज दर्द को बर्दाश्त करते हुए अदम्य साहस दिखाया।

संजय ने एक ऐसी जगह पर अपनी लाइट मशीन गन स्थापित कर ली, जहां से उग्रवादियों पर ज्यादा प्रभावशाली ढंग से हमला किया जा सकता था। उन्हें उस इलाके के बारे में अच्छी जानकारी थी। साथ ही, वे यह चाहते थे कि उग्रवादियों द्वारा की गई गोलीबारी से हमारे जवानों को कोई नुकसान न हो।

इस कार्रवाई से जवानों को उग्रवादियों पर फतह हासिल हुई। उन्हें कोई नुकसान नहीं हुआ। हवलदार संजय कुमार ने खुद घायल होने के बावजूद जिस तरह सैन्य सूझबूझ दिखाई और अपने साथियों की फिक्र की, वह अत्यंत सराहनीय है। उन्हें 'शौर्य चक्र' से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।_ **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

मुझे प्रताड़ित किया गया, मालेगांव मामले में नरेन्द्र मोदी का नाम लेने को कहा गया: प्रज्ञा सिंह ठाकुर

मुंबई/भाषा। मालेगांव विस्फोट मामले में बरी की गईं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पूर्व सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने शनिवार को आरोप लगाया कि जांच अधिकारियों ने उन्हें प्रताड़ित किया था और उनसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समेत कई लोगों के नाम लेने को कहा था।

ऐसा पहली बार है जब ठाकुर ने यह सनसनीखेज दावा किया है, जिसका एनआईए की विशेष अदालत के 1036 पृष्ठों के फैसले में कोई उल्लेख नहीं है। विशेष अदालत ने मामले के सभी सात आरोपियों को बरी कर दिया था।

ठाकुर शनिवार को कुछ औपचारिकताएं पूरी करने के लिए सत्र अदालत में पेश हुईं। अदालत के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए, उन्होंने दावा किया कि पूछताछ के दौरान उन्हें प्रताड़ित किया गया था। विशेष न्यायाधीश ए.के. लाहोटी ने अपने फैसले में ठाकुर के यातना और दुर्व्यवहार के दावों को खारिज कर दिया है।

ठाकुर ने पत्रकारों से कहा, उन्होंने (अधिकारियों ने) मुझे प्रधानमंत्री मोदी का नाम लेने को कहा, क्योंकि उस समय मैं सूरत (गुजरात) में रह रही थी। भागवत (आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत का स्पष्ट संदर्भ) जैसे कई नाम हैं, लेकिन मैंने किसी का नाम नहीं लिया, क्योंकि मैं झूठ नहीं बोलना चाहती थी।ठाकुर ने दावा किया कि उन्होंने यह सब लिखित में दिया

था। ठाकुर ने कहा, उनका उद्देश्य मुझे प्रताड़ित करना था। उन्होंने कहा कि अगर मैंने नाम नहीं लिए, तो वे मुझे प्रताड़ित करेंगे। इन नामों में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, सुदर्शन जी, इंद्रेश जी, राम जी माधव और कई अन्य शामिल हैं, जिनके नाम मुझे अभी याद नहीं आ रहे हैं। भाजपा की पूर्व सांसद ने आरोप लगाया कि उन्हें अस्पताल में भी अवैध रूप से हिरासत में रखा गया, जहां वह बेहोश हो गईं और उनके फेफड़े खराब हो गए। ठाकुर ने कहा, मैं अपनी कहानी लिख रही हूं, जिसमें ये सब लिखूंगी। सच सामने आएगा। यह धर्म की विजय है, सनातन धर्म की विजय है, हिंदुत्व की विजय है...यह सनातनी राष्ट्र है, और यह सदैव विजयी होता है।

अदालत ने अपने फैसले में कहा कि ठाकुर ने दुर्व्यवहार का आरोप लगाया था, लेकिन उनके दावों के समर्थन में कोई सबूत पेश नहीं किया गया।

इसने 2011 के उच्चतम न्यायालय के आदेश का भी हवाला दिया गया, जिसमें अवैध हिरासत, यातना और हिरासत के उनके दावों को खारिज कर दिया गया था।

निचली अदालत ने कहा कि ठाकुर ने नासिक की अदालत में कोई शिकायत नहीं की थी जब उन्हें गिरफ्तारी के बाद रिमांड के लिए पेश किया गया था। न्यायाधीश लाहोटी ने कहा, मेरे संज्ञान में कोई सबूत (यातना और दुर्व्यवहार का) नहीं लाया गया है और इसलिए मैं इस दलील को स्वीकार करने के लिए इच्छुक नहीं हूं।

इस बीच, ठाकुर ने कहा कि उनके खिलाफ पूरा मामला निराधार है। उन्होंने महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) के तत्कालीन सहायक पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह को एक ''दुष्ट व्यक्ति'' बताया। उन्होंने आरोप लगाया, सिंह, (तत्कालीन एटीएस प्रमुख) हेमंत करकरे और सुखविंदर सिंह ने मुझे प्रताड़ित किया और मुझसे झूठ बोलने को कहा। लेकिन मैंने इनकार कर दिया। महाराष्ट्र के नासिक जिले के मालेगांव में 29 सितम्बर 2008 को हुए विस्फोट में छह लोग मारे गए थे और 101 घायल हो गए थे।

एक विशेष अदालत ने प्रज्ञा सिंह ठाकुर और लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित समेत सभी सातों आरोपियों को 31 जुलाई को बरी करते हुए कहा था कि उनके खिलाफ कोई ''विश्वसनीय और ठोस सबूत नहीं हैं।

कश्मीर समस्या का समाधान बंदूक में नहीं, कलम में है: धर्मेंद्र प्रधान

श्रीनगर/भाषा। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को कहा कि 'कश्मीर समस्या' का समाधान हिंसा में नहीं, बल्कि शिक्षा में है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कश्मीर एक शिक्षित समाज है।

प्रधान ने यहां एसकेआईसीसी में नौ दिवसीय चिनार पुस्तक महोत्सव के उदघाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा, कश्मीर समस्या का समाधान बंदूक या लाठियों में नहीं, बल्कि कलम में है। कश्मीरी समाज एक शिक्षित समाज है।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि 2019 में केंद्र द्वारा अनुच्छेद 370 के ज्यादातर प्रावधानों को निरस्त किए जाने के बाद, जम्मू-कश्मीर में लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं धीरे-धीरे बहाल हो रही हैं। उन्होंने कहा, जम्मू-कश्मीर में कई चीजें पहली बार हो रही हैं। कई वर्षों के बाद लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं बहाल हुई हैं। गरीब और पिछड़े वर्गों के लिए कई सुविधाएं या कार्यक्रम, या विभिन्न कानून, जो पहले यहां लागू नहीं हो रहे थे, अब अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद जम्मू-कश्मीर के लोगों को लाभान्वित कर रहे हैं।

बाद में पत्रकारों से बात करते हुए प्रधान ने कहा कि अनुच्छेद 370 के निरस्त होने से पहले, केंद्र शासित प्रदेश में कई वर्षों तक स्थानीय चुनाव नहीं हुए थे। उन्होंने कहा, लोगों का जमीनी स्तर पर प्रतिनिधित्व गायब था; अब धीरे-धीरे जम्मू-कश्मीर में लोकतांत्रिक व्यवस्था बहाल हो रही है।

कश्मीर में सामान्य स्थिति लौटने पर जोर देते हुए प्रधान ने विश्वास व्यक्त किया कि घाटी में पर्यटन क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन हो रहा है, स्थानीय व्यवसाय प्रगति कर रहा है और जैसे-जैसे व्यवस्था आगे बढ़ेगी, लोगों के विकास से जम्मू-कश्मीर में समृद्धि आएगी।

प्रधान ने घोषणा की कि जम्मू-कश्मीर में पुस्तकालय आंदोलन को बढ़ाने के लिए, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास (एनबीटी) केंद्र शासित प्रदेश में विभिन्न केंद्रीय योजनाओं को लागू करेगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि अगले वर्ष के चिनार महोत्सव तक जम्मू-कश्मीर की स्थानीय भाषाओं की विभिन्न पुस्तकों का देश की अन्य भाषाओं में अनुवाद किया जाएगा।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी शनिवार को अपनी पत्नी के साथ तिरुपति के तिरुमाला स्थित श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर तिरुमाला के दर्शन किए।

अमेरिका के ताजा वित्तीय आंकड़े पेश कर रहे हैं चिंताजनक तस्वीर

वाशिंगटन/एपी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड अपने देश में ''स्वर्ण युग'' लाने का दावा कर रहे हैं, लेकिन इस सप्ताह आए कमजोर आर्थिक आंकड़े चिंता पैदा कर रहे हैं, क्योंकि उनकी नीतियों के प्रभाव अब स्पष्ट होते जा रहे हैं।इन आंकड़ों के मुताबिक नौकरियों में वृद्धि कम हो रही है, महंगाई बढ़ रही है और पिछले साल की तुलना में वृद्धि दर धीमी हो गई है।ट्रंप ने अब तक अपने छह महीने से कुछ ज्यादा कार्यकाल के दौरान शुल्क में बढ़ोतरी की। उनके नए कर एवं व्यय विधेयक ने अमेरिका की व्यापार, विनिर्माण, ऊर्जा और कर प्रणालियों को नया रूप दिया है। वह किसी भी अच्छी खबर का श्रेय लेने के लिए उत्सुक रहते हैं और अगर वित्तीय स्थिति बिगड़ती है तो किसी और को दोष देने की कोशिश करते हैं।फिलहाल अमेरिकी अर्थव्यवस्था उस तेजी से नहीं बढ़ रही, जिसका रिपब्लिकन राष्ट्रपति ने वादा किया था। शुक्रवार की रोजगार रिपोर्ट बेहद निराशाजनक थी, लेकिन ट्रंप ने आंकड़ों में दी गई चेतावनियों को नजरअंदाज कर दिया और मासिक रोजगार के आंकड़े जारी करने वाली एजेंसी के प्रमुख को बर्खास्त कर दिया। जानकार मान रहे हैं कि ट्रंप की आर्थिक नीतियां एक राजनीतिक जुआ हैं, अगर वह मध्य वर्ग की समृद्धि सुनिश्चित करने में विफल रहते हैं, तो शुल्क, खर्च में कटौती और कर संहिता में बदलावों जैसे उपाय एक बड़ा राजनीतिक जोखिम पैदा कर सकते हैं।

सम्मानित

केंद्रीय कैबिनेट मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता श्री मुख्तार अब्बास नकवी, लोकसभा सांसद बांसुरी स्वराज के साथ, पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि पर नई दिल्ली में भाजपा द्वारा आयोजित कार्यक्रम कलाम को सलाम के दौरान छात्रों को सम्मानित करते हुए।

आलिया भट्ट ने किया 'रॉकी और रानी' के गाने को याद, बोलीं- नेशनल अवॉर्ड का सुन आज मैं गदगद

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री आलिया भट्ट की फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' को सर्वश्रेष्ठ लोकप्रिय मनोरंजन फिल्म का और इसी फिल्म के गाने 'ढिंढोरा बाजे रे' को बेस्ट कोरियोग्राफी का नेशनल अवॉर्ड भी मिला है। इसकी खुशी का इजहार आलिया भट्ट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर किया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर इस गाने की प्रैक्टिस करते हुए वीडियो पोस्ट किया, जिसके कैप्शन में लिखा, पुरानी यादों को फिर से जी रही हूं, और आज मेरा दिल खुशी से गदगद हो गया है। 'ढिंढोरा बाजे रे' में वैभवी मर्चेंट आपकी कोरियोग्राफी कमाल की है। फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' के सफर के लिए मैं हमेशा आपकी आभारी रहूंगी। ऐसा लगातार तीसरी बार है जब करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शन की फिल्म को नेशनल अवॉर्ड मिला हो। इससे पिछले दो नेशनल अवॉर्ड में करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शन की 'ब्रह्मास्त्र' और 'शेरशाह' भी नेशनल अवॉर्ड जीत चुकी हैं।

अब 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' को दो अलग-अलग कैटेगरी में अवॉर्ड मिलने से करण जौहर खुशी से गदगद हैं। करण ने 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' की जीत पर इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट पोस्ट की। उन्होंने लिखा, मेरे दिल के बेहद करीब फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार जीतकर बेहद खुश और सम्मानित महसूस कर रहा हूं। मैं जूरी का आभारी हूं और फिल्म को मिल रहे अपार प्यार के लिए आभारी हूं। करण ने 'ढिंढोरा बाजे रे' की कोरियोग्राफर वैभवी मर्चेंट को भी बधाई दी। यही अवॉर्ड करण की पहली फिल्म 'कुछ कुछ होता है' को भी मिला था।

करण जौहर के निर्देशन में बनी फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' साल 2023 में रिलीज हुई थी। करण जौहर द्वारा निर्देशित इस फिल्म में आलिया भट्ट और रणवीर सिंह प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं।

इसके अलावा फिल्म में शबाना आजमी, धर्मेंद्र, और जया बच्चन जैसे स्टार्स भी अहम भूमिका में हैं। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी। फिल्म की कहानी एक रंगीन मिजाज लड़के रॉकी और एक समझदार बंगाली पत्रकार रानी के इर्द-गिर्द घूमती है। दोनों एक-दूसरे से बिल्कुल अलग होते हुए भी प्यार में पड़ जाते हैं। जब उनके परिवार इस रिश्ते के खिलाफ होते हैं, तो रॉकी और रानी तय करते हैं कि शादी से पहले वे तीन महीने तक एक-दूसरे के परिवार के साथ रहेंगे, ताकि परिवार को समझ सकें और उन्हें भी समझा सकें।

'वीर हनुमान' में सूर्य देव ने हनुमान को भेजा असुर्य लोक

मुंबई/एजेन्सी

सोनी सब का शो 'वीर हनुमान' अपनी समृद्ध कहानी और दिव्य रोमांच के साथ दर्शकों को लगातार मंत्रमुग्ध कर रहा है। इस शो में नन्हे हनुमान के रूप में आन तिवारी, माता अंजनी के रूप में सायली सालुंखे, केसरी के रूप में आरव चौधरी और बाली-सुग्रीव के रूप में माहिर पांधी नज़र आ रहे हैं। अब शो हनुमान जी की यात्रा के एक महत्वपूर्ण और परिवर्तनकारी अध्याय की ओर बढ़ रहा है। अब तक दर्शकों ने देखा है कि किस तरह हनुमान जी ज्ञान और शक्ति प्राप्त करने के लिए अपनी असीम जिज्ञासा और दृढ़ निश्चय के साथ प्रयासरत रहते हैं। अब वे नई चुनौतियों का सामना करते हुए और छुपे रहस्यों को उजागर करते हुए अपने महान उद्देश्य के करीब पहुंचेंगे, जिससे दर्शक यह देखने के लिए उत्सुक हैं कि उनका भाग्य कैसे आगे बढ़ेगा।

आने वाले एपिसोड्स में दर्शक देखेंगे कि हनुमान जी सूर्य देव (मल्हार पांड्या) के पास जाकर मार्गदर्शन प्राप्त करेंगे और अपने भाग्य के लिए आवश्यक दिव्य विद्याएं सीखेंगे। हालांकि, उनकी दृढ़ता की परीक्षा तब होती है जब सूर्य देव और अन्य देवता जैसे अग्नि देव, यम देव और अश्विनीकुमार उनके अनुरोध को ठुकरा देते हैं। इन्हीं परीक्षाओं के दौरान हनुमान जी को सूर्य देव और शनि देव के बीच चले आ रहे लंबे समय से छुपे

मतभेद के रहस्य का भी पता चलता है। दृढ़ संकल्प और अटल विश्वास के साथ प्रयासरत रहते हुए, हनुमान जी अनायास ही असुर्य लोक पहुंच जाते हैं एक रहस्यमयी लोक, जहां शक्तिशाली मायाएं और कठिन परीक्षाएं उनका इंतजार कर रही होती हैं। इस अद्भुत लोक में हनुमान जी को बल, बुद्धि और विश्वास की कठिन परीक्षाओं से गुजरना होगा। जैसे-जैसे हनुमान जी उस ज्ञान के करीब पहुंचते हैं जिसकी उन्हें तलाश है, एक बड़ा सवाल खड़ा होता है यह नया ज्ञान उनकी यात्रा और ब्रह्मांड में उनके स्थान को किस तरह आकार देगा?

भगवान हनुमान की भूमिका निभा रहे आन तिवारी ने कहा, जब मैंने पहली बार सुना कि हनुमान जी सूर्य देव के पास दिव्य विद्याएं सीखने जाएंगे, तो मैं बहुत खुश हुआ क्योंकि मुझे एक्शन सीन करना और नई-नई चीजें सीखना बहुत पसंद है, जैसे हनुमान जी करते हैं! लेकिन जब मुझे पता चला कि सूर्य देव और अन्य देवता जैसे अग्नि देव और यम देव उनसे मना कर देंगे, तो मैंने अपने डायरेक्टर से पूछा, 'लेकिन वे हनुमान जी को क्यों नहीं सिखाएंगे? वे तो सिर्फ सीखना चाहते हैं!' तब उन्होंने मुझे बताया कि यही तो हनुमान जी की खासियत है वे कभी हार नहीं मानते, चाहे पूरी दुनिया उन्हें मना कर दे। यह बात मेरे मन में गहराई से बैठ गई।

कमल हासन ने शाहरुख को नेशनल अवॉर्ड मिलने पर दी बधाई

चेन्नई/एजेन्सी

बॉलीवुड के सुपरस्टार शाहरुख खान को उनके करियर का पहला नेशनल अवॉर्ड शुक्रवार को मिला।

शनिवार को एक्टर और राजनेता कमल हासन ने उन्हें बधाई दी और कहा कि वर्ल्ड सिनेमा पर उनका जो प्रभाव रहा है, उसे देखते हुए यह अवॉर्ड उन्हें बहुत देरी से मिला। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ''जवान के लिए नेशनल अवॉर्ड मिलने के लिए बधाई शाहरुख खान, इस पहचान की आपको लंबे समय से दरकार थी, जिस तरह से आपका विश्व सिनेमा में प्रभाव रहा है।'' इसके बाद उन्होंने विधु विनोद चोपड़ा और एक्टर विक्रांत मैसी को भी '12वीं फेल' के लिए बधाई दी। उन्होंने एक्स पर लिखा, '''12वीं फेल' एक मास्टरपीस थी, जिसने मुझे अंदर तक प्रभावित किया। इसने संघर्ष की कीमत बताई और लाखों लोगों को प्रेरित किया। बधाई हो विधु विनोद चोपड़ा और विक्रांत मैसी इस सम्मान के लिए, जिसके आप हकदार थे।''

एक्टर ने रानी मुखर्जी को भी सराहा, जिन्हें बेस्ट एक्ट्रेस का नेशनल अवॉर्ड मिला। उन्हें ये अवॉर्ड 'मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे' के लिए मिला। उनके बारे में कमल हासन ने लिखा, ''ऐसा किरदार जो बहुत ही ज्वलंत और नाजुक भी था, उसके लिए आपको राष्ट्रीय स्तर पर पहचाना जाना चाहिए ही था।''

एक्टर ने तमिल फिल्म 'पार्किंग' को भी बधाई दी, जिसने तीन अवॉर्ड जीते। इसने बेस्ट रीजनल फिल्म, बेस्ट स्क्रीनप्ले और बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर का अवॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने इसके प्रोड्यूसर्स को बधाई दी। इसके बाद वेटरन एक्टर ने म्यूजिक डायरेक्टर जीवी. प्रकाश को भी बधाई दी। उन्हें फिल्म 'वाथी' के लिए बेस्ट म्यूजिक डायरेक्टर का अवॉर्ड दिया गया था। उन्होंने अपनी दोस्त और एक्ट्रेस उर्वशी की भी तारीफ की। उर्वशी को 'उल्लोजहुक्कु' फिल्म के लिए बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस का अवॉर्ड दिया गया। एक्टर ने 'लिटल विंग्स' के लिए बेस्ट सिनेमैटोग्राफी का पुरस्कार जीतने के लिए सरवनानुत्थु सौंदरपंडी और मीनाक्षी सोमन को भी बधाई दी।

व्योम और साची बिंद्रा ने 'मन्नू क्या करेगा' के टीज़र में रच दी एक नई, भावुक प्रेम कहानी!

मुंबई/एजेन्सी

इंतज़ार खत्म हुआ! 'मन्नू क्या करेगा' का टीज़र अब रिलीज़ हो चुका है और यह पहली झलक देता है एक ऐसी कहानी की जो प्यार के खोने, ज़िंदगी के सबक सीखने और खुद की तलाश करने की है वो भी देहरादून की खूबसूरत वादियों के बीच। फिल्म का निर्देशन किया है संजय त्रिपाठी ने और इसे शरद मेहरा ने क्यूरियस आइज़ सिनेमा के बैनर तले प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म हिंदी सिनेमा में व्योम और साची बिंद्रा की पहली फिल्म है, जो इंडस्ट्री की सबसे ताज़ा जोड़ी के रूप में दर्शकों को लुभाने के लिए तैयार हैं। देहरादून की दिलकश लोकेशनों पर फिल्माई गई इस फिल्म के टीज़र में व्योम और साची की मासूम सी मोहब्बत की झलक मिलती है जिसे एक आत्मीय बैकग्राउंड स्कोर और भी खास बनाता है। पर जैसे ही भावनाओं की लहर चढ़ती है, टीज़र का मूड एकदम

बदलता है दर्द, दूरी और दिल टूटने की आहट मिलती है। फिल्म का संगीत ललित पंडित ने दिया है और इसके कुछ गीत लिखे हैं जावेद अख्तर ने, जो हर फ्रेम की भावना को और भी गहराई देते हैं। फिल्म में विनय पाठक, कुमुद मिश्रा और चारु शंकर भी अहम भूमिकाओं में नज़र आएंगे, जो इस म्यूज़िकल रोमांटिक-कॉमेडी को एक परिपक्वता प्रदान करेंगे।

टीज़र पर बात करते हुए प्रोड्यूसर शरद मेहरा ने कहा,व्योम और साची हर फ्रेम में जो ताज़गी लेकर आते हैं, वह दर्शकों को सीधे दिल से जोड़ती है। उनकी केमिस्ट्री कच्ची, सच्ची और ईमानदार है ठीक वैसी जैसी इस कहानी को ज़रूरत थी। 'मन्नू क्या करेगा' कभी सिर्फ एक प्रेम कहानी नहीं रही, यह तो युवावस्था की उलझनों, नाज़ुक पलों और उस चुपचाप हिम्मत की बात करती है जो हर दिल के अंदर होती है। यह टीज़र सिर्फ एक झलक है मन्नू की दुनिया की असली कहानी तो अभी बाकी है। 'मन्नू क्या करेगा' 12 सितंबर 2025 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

'बॉर्डर-2' की शूटिंग के बीच लहलहाते खेत में दिखे वरुण धवन, लिखा सिर्फ एक शब्द 'पंजाब'

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'बॉर्डर 2' की शूटिंग में व्यस्त हैं। अभिनेता ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर तस्वीरें पोस्ट की, जिसमें वह पंजाब के लहलहाते खेतों में समय बिताते नजर आए। वरुण धवन ने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें पोस्ट की हैं, जिनमें वो लहलहाते खेतों के बीच खड़े होकर गांव की खूबसूरती निहार रहे हैं। सफेद कुर्ता-पायजामा पहने वरुण ने अपने दिल की बात महज एक शब्द में बयां की और वो है 'पंजाब।' अभिनेता इन दिनों आगामी फिल्म 'बॉर्डर-2' की शूटिंग में बिजी हैं। लेकिन फैंस को अपडेट देने के लिए वह अक्सर इंस्टाग्राम पर फिल्म से जुड़ी तस्वीरें और वीडियो पोस्ट करते रहते हैं।

कुछ दिन पहले ही अभिनेता ने नया अपडेट साझा करते हुए बताया था कि दिलजीत दोसांझ ने फिल्म की शूटिंग खत्म कर ली है। दरअसल, अभिनेता ने एक वीडियो इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया था, जिसमें वरुण धवन और दिलजीत दोसांझ एक-दूसरे को गले लगाते हुए और लड्डू बांटते नजर आ रहे थे। वीडियो में दिलजीत फॉर्मल कपड़ों में दिख रहे थे, जबकि वरुण

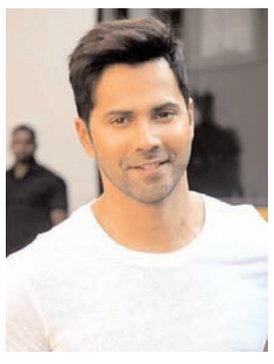

कैजुअल आउटफिट में नजर आ रहे थे।

वीडियो पोस्ट कर अभिनेता ने कैप्शन में लिखा, दिलजीत पाजी की शूटिंग खत्म हो गई, लड्डू भी बांटे गए दोस्ती का स्वाद ही कुछ और होता है!

थैंक यू पाजी, आपको और टीम को मिस करूंगा। बॉर्डर 2। अहान शेट्टी ने भी वरुण धवन की तारीफ में एक पोस्ट लिखा था। उन्होंने बताया कि शूटिंग के दौरान वरुण ने हर मोड़ पर उनका साथ दिया। अहान ने पोस्ट में लिखा था, शूट के पहले दिन से ही वरुण ने मुझे ऐसा महसूस कराया जैसे मैं घर पर हूं। उनमें कोई घमंड नहीं है, बहुत ही अपनापन है। उन्होंने मेरी मदद की और मेरा उस तरह ख्याल रखा जैसे कोई बड़ा भाई रखता है। ऐसा वही इंसान कर सकता है जो दिल से बहुत अच्छा होता है, और वरुण बिल्कुल वैसे ही हैं। उन्होंने आगे लिखा, वरुण हमारे देश के सबसे बड़े अभिनेताओं में से एक हैं, लेकिन उनमें कई खास बातें हैं, वह अच्छे दिल के और सादगी से भरे इंसान हैं। मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा है। अपकमिंग वॉर ड्रामा फिल्म 'बॉर्डर-2' के निर्देशक अनुराग सिंह हैं, और इसका निर्माण गुलशन कुमार और टी-सीरीज के बैनर तले ही हो रहा है। फिल्म 23 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | रविवार | 03-08-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

गृहस्थ आग का गोला है। वह बोले बिना नहीं रह सकता। साधु को गोचरी मिले तो संयम वृत्ति, न मिले तो तप वृत्ति अपनानी चाहिए। वे स्वाद के लिए नहीं, संयम के लिए ग्रहण करते हैं। साधु के लिए प्रमाण से अधिक या विगई का सेवन करना अकल्पित है। जो साधु छोटी बातों पर गुस्सा करें, स्वाद के अनुसार भोजन करे, मनमानी करे, उनके समीप नहीं रहना चाहिए। साथ ही यह भी कहा, साधु अपने आचरण से गिरे तो उनका प्रचार नहीं करना चाहिए, उन्हें नीचा दिखाना भी अनुचित है।

ज्ञानशाला के प्रशिक्षकों का विशेष सेमिनार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां उदितयशाजी म.सा. के सान्निध्य में 1 अगस्त को जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा के तत्वावधान में ज्ञानशाला के प्रशिक्षकों का एक विशेष सेमिनार का आयोजन किया गया। लगभग 70 प्रशिक्षकों सहित सभा के अध्यक्ष अशोक खतंग, मंत्री गजेंद्र खांटेड, किलपॉक सभा अध्यक्ष अशोक परमार, ज्ञानशाला प्रभारी राजेश सांड, सह-प्रभारी अनिल बोथरा, आंचलिक संयोजक अनीता चोपड़ा, सह-संयोजक कविता रायसोनी एवं अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। साध्वी श्री उदितयशाजी ने कहा कि प्रशिक्षकों को दायित्व की प्राप्ति के साथ-साथ दायित्व बोध भी होना चाहिए। उन्होंने एक प्रेरणादायक कहानी के माध्यम से यह बात सरलता से समझाई, जो सभी प्रशिक्षकों को सहज रूप से ग्राह्य हुई। साध्वीश्री संगीत प्रभाजी ने सुमधुर गीत की प्रस्तुति दी और प्रशिक्षकों को प्रेरित करते हुए कहा कि ज्ञानार्थियों के मन में प्रशिक्षकों के प्रति आदर का भाव उत्पन्न हो, उनका आचरण और वेशभूषा प्रशिक्षकत्व की गरिमा को दर्शाए। साध्वीश्री भव्ययशाजी ने 14वां बोल एवं आचार्यों के नाम कंठस्थ करने की एक सहज और उपयोगी ट्रिक सिखाई, जिससे बच्चे सरलता से याद कर सकें। साध्वी श्री शिक्षा प्रभा जी ने गीत प्रस्तुति के साथ कहा कि प्रशिक्षिकाएं ज्ञानार्थियों के लिए मातृतुल्य होती हैं। पहले उन्हें अपनाएं, फिर समझें और समझाएं। कार्यक्रम का संचालन ज्ञानशाला प्रभारी राजेश सांड द्वारा किया गया एवं धन्यवाद ज्ञापन मंत्री गजेंद्र खांटेड ने किया।

भ्रूण हत्या करना मातृत्व की हत्या करने के समान : कमलमुनि कमलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां साहूकारपेट स्थित जैन भवन में राष्ट्रसंत कमल मुनि कमलेश ने संबोधित करते कहा कि निर्दोष मासूम जीवात्मा की निर्मल हत्या मां की वात्सल्यमय कोख में भ्रूण हत्या करके मौत के घाट उतार रहे हैं। उसे कत्ल खाने के रूप में परिवर्तन करते रहें वह मौत के सौदागर दरिंदे मानवता पर कलंक है आतंकवादी से भी अनंत गुना ज्यादा खतरनाक है। भ्रूण हत्या करना मातृत्व की हत्या करने के समान है। उनके द्वारा किए गए तपस्या दान तीर्थ मात्र ढोंग और पाखंड है। मुनि कमलेशजी कहा की लड़के और लड़की के प्रति हमारी भेदभाव की मानसिकता लड़के से वंश चलेगा लड़की पराया धन है भ्रूण हत्या के पीछे मुख्य कारण यही हैजबकि लड़की दो कुल के वंश को उज्ज्वल करती है। राष्ट्रसंत ने बताया कि लग्जरी जिंदगी जीने वाले उच्च सोसाइटी वाले भ्रूण हत्या के आंकड़े ज्यादा मिल रहे हैं पिछले आदिवासी सामान्य परिवारों में इसका अनुपात नहीं के बराबर है। यह चिंता का विषय है भ्रूण हत्या करने वाले का सामाजिक बहिष्कार करना चाहिए। जैन संत ने कहा कि बेटी नहीं रही तो बहू कहां से लाओगे आने वाली आत्मा अपना पुण्य लेकर आती है। उससे आपका घर गुलजार हो सकता है। उसकी हत्या करके अपनी किस्मत पर अपने हाथों से कुल्हाड़ी मारने जैसा अपराध कर रहे हैं। सभी सिर्फ कानून से समस्या हल नहीं होगी। धर्माचार्य को मिलकर वैचारिक क्रांति का शंखनाद करना ऐसे हत्यारे को उपासना करने का अधिकार न दिया जाए। आज बालिकाओं ने लड़कों से आगे निकलकर विश्व के हर क्षेत्र में नए-नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है लड़के और लड़की एक ही मा जन्म लेते हैं फिर उनके साथ भेदभाव क्यों किया जाता है लड़के के बजाय लड़की ज्यादा माता-पिता के प्रति संवेदनशील होती है सभा का संचालन डॉक्टर संजय पिंचा ने किया।

परिग्रह की मूर्छा नहीं टूटेगी, तो मोक्ष असंभव : पंन्यास विमल पुण्यविजय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। किलपॉक स्थित एससी शाह भवन में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री हीरचंद्रसूरिश्वरजी म.सा. के शिष्य पंन्यास विमल पुण्यविजयजी म.सा. ने शनिवार को आयोजित प्रश्नोत्तरी प्रवचन में कहा कि जब तक परिग्रह की मूर्छा नहीं टूटेगी, तब तक मोक्ष की प्राप्ति असंभव है। उन्होंने जीवन को साधना की ओर मोड़ने वाली अनेक गूढ़ बातों का सरल शब्दों में विवेचन किया। पंन्यासजी ने स्पष्ट किया कि परमात्मा की भक्ति स्वद्रव्य से करनी चाहिए, परंतु उसमें मैं' की भावना नहीं होनी चाहिए। संघ पूजन को हृदय से स्वीकार करना चाहिए, क्योंकि जो संघ पूजन नहीं करता, वह वास्तव में संघ का अंग नहीं माना जा सकता। संघ के सम्मान को सम्मान देना प्रत्येक साधक का धर्म है।

दिगम्बर और श्वेताम्बर परंपराओं के दृष्टिकोणों में अंतर बताते हुए उन्होंने कहा कि धार्मिक विषयों पर बार-बार प्रश्नचिन्ह लगाने से जिनशासन की प्रतिष्ठा को क्षति पहुँचती है। गुरु-द्रोह, पंथ भेद और द्वेष की भावना से बचना चाहिए। छद्मस्थ से गलती हो सकती है लेकिन गुरु की निंदा कभी नहीं करनी चाहिए। एक श्रोता के प्रश्न गुरु बड़ा या भगवान? के उत्तर में उन्होंने कहा कि समय, स्थान और प्रसंग के अनुसार जिसकी भूमिका महत्वपूर्ण हो, वही बड़ा होता है। उदाहरण देते हुए कहा कि बारात में दुल्हा घोड़े पर होता है, पिता नहीं। उसी प्रकार मंदिर में भगवान प्रधान हैं, वहां गुरु नहीं। उन्होंने कहा कि संसार की वस्तुएं हम मूल्य देकर खरीदते हैं, लेकिन यह दुर्लभ मानव भव हमें पुण्य के उदय से मिला है। इसका मूल्य नहीं लगाया जा सकता, पर इसका सदुपयोग अवश्य किया जाना चाहिए। पैसा कितना कमाया, यह नहीं, दान पुण्य कितना कमाया, यह अधिक महत्व रखता है।

गौरी शंकर राठी अपनी टीम के साथ आज लेंगे शपथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां माहेश्वरी सभा चेन्नई के आगामी वर्ष 2025-27 के लिए नवनिर्वाचित अध्यक्ष गौरीशंकर राठी एवं उनकी नई कार्यकारिणी टीम का शपथ ग्रहण समारोह रविवार को सुबह 10:30 बजे, डी.जी. वैष्णव कॉलेज सभागार में आयोजित किया जा रहा है।

डॉ. अशोक मूंधड़ा ने बताया कि समारोह में मुख्य अतिथि के रूप अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के पूर्व अध्यक्ष श्याम सुंदर सोनी (नागपुर) होंगे।

'यादों का उपवन' पुस्तक का विमोचन 17 को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

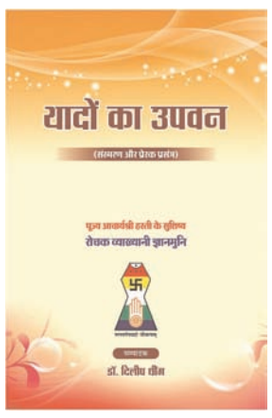

चेन्नई/बेंगलूरु। आचार्य हस्ती के शिष्य, श्रमणसंघीय संत ज्ञानमुनिजी द्वारा लिखित एवं साहित्यकार डॉ. दिलीप धींग द्वारा संपादित पुस्तक यादों का उपवन' का विमोचन 17 अगस्त दोपहर में बेंगलूरु के यलहंका में होगा।

डॉ. दिलीप धींग ने बताया कि तीन सौ पृष्ठीय इस पुस्तक में डेढ़ सौ संस्मरण और प्रेरक प्रसंग हैं। इस पुस्तक में उन संतों, महानुभावों और क्षेत्रों की भूली-बिसरी स्मृतियों को संजोया है, जिनसे लेखक ज्ञानमुनिजी का जुड़ाव, सम्बन्ध और संपर्क रहा। इसमें राजस्थानी के शब्द व शैली के प्रभाव को यथावत रखकर हिंदी को समृद्ध व अधिक संप्रेषणीय बनाया गया है। पुस्तक में समाविष्ट संस्मरणों और प्रसंगों में समाज, संस्कृति व इतिहास के अनेक गौरवपूर्ण तथ्य सहज ही सुरक्षित हो गए हैं।

लोकेशमुनि ने बताया कि श्री सुमतिनाथ जैन आराधना भवन, यलहंका में समाजसेवी बाबूलाल रांका पुस्तक का विमोचन करेंगे। चातुर्मास संयोजक ए. नेमीचंद लूंकड़ ने बताया कि पुस्तक का प्रकाशन ज्ञानोदय प्रकाशन समिति, बेंगलूरु से हुआ है।

श्री सुमतिनाथ सकल जैन संघ के अध्यक्ष प्रकाशचंद कोठारी ने बताया कि इस कार्यक्रम में ज्ञानमुनि के सांसारिक परिजन गोपालराज अबानी, गुणवंत और गजेश अबानी भी उपस्थित रहेंगे।

माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा 'धमौली' का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां माहेश्वरी महिला मंडल का सावन के महीने में 'धमौली' कार्यक्रम का आयोजन माहेश्वरी भवन के प्रांगण में हुआ। कार्यक्रम में 190 सदस्यों सहित पूर्व अध्यक्ष कान्ता भट्टर, पुष्पा मूंदड़ा, बीना मूंदड़ा, सुनीता डागा, शिवानी मूंदड़ा भी सम्मिलित हुईं। सभी सदस्यायों के उत्साह और उमंग ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। पारंपरिक राजस्थानी परिधान में सभी महिलाओं बेहद खूबसूरत लग रही थी। नृत्य और खेलो के बाद सभी को तंबोला खिलाया गया। सभी ने स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठाया। महिला मंडल ने सभी प्रायोजकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम की संयोजक रीता मोहता, अलका राठी, उमा नाहर, मंडल की अध्यक्ष ममता बागड़ी, सचिव कुसुम मालपानी सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

असफलता ज़िंदगी का हिस्सा है : डॉ. समकित मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के पुरुषवाक्कम स्थित एएमकेएम जैन मेमोरियल ट्रस्ट, में विराजमान डॉ. समकित मुनिजी म.सा. ने शनिवार को प्रवचन के दौरान कहा कि हम सभी तीन फैक्ट्रियों के मालिक हैं – मन, वचन और काया। ये तीनों फैक्ट्रियां यदि लाभ दें तो हमें मालामाल कर सकती हैं और यदि घाटा दें तो भारी नुकसान भी हो सकता है।

उन्होंने बताया कि सबसे ज़्यादा टर्नओवर मन की फैक्ट्री का होता है, क्योंकि यह 24 घंटे चलती है। यह हमारी दुर्गति भी कर सकती है और सुख भी दे सकती है। जब मन शुभ होगा तो यह फैक्ट्री अच्छा करेगी और जब अशुद्ध होगा तो सब कुछ बर्बाद कर देगी।

मुनिश्री ने कहा कि जब हमारे अनुसार माहौल हो तब मन को शुभ रखना बड़ी बात नहीं। पर जब जो हम चाहते हैं वो ना हो तब भी मन को शुभ बनाए रखना एक बड़ी साधना है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जीवन में 'एडजस्टेबल' होना ज़रूरी है, जैसे कोई फ़र्नीचर लाते हैं तो वह हर जगह एडजस्ट हो सके, वैसे ही हमें भी विपरीत परिस्थितियों में स्वयं को ढालना आना चाहिए। यदि कोई कहे कि मैं बड़ा हूं इसलिए एडजस्ट नहीं करूंगा, यह ईगो कहलाता है, और बिना एडजस्ट हुए यह ज़िंदगी मुश्किल हो जाती है। मुनिजी ने बताया कि महापुरुषों का जीवन परिस्थितियों पर आधारित नहीं होता, वे जानते हैं कि परिस्थिति पर हमारा नियंत्रण नहीं है, लेकिन अगर मन पर नियंत्रण है तो परिस्थिति चाहे जैसी हो, हम उसे संभाल सकते हैं। शनिवार को बच्चों के लिए 'चंद्रकला तप' का शुभारंभ हुआ, जो 16 मई तक चलेगा। रविवार को 'कौन बनेगा ज्ञानवान' कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अध्यक्ष चंद्रप्रकाश तालेड़ा, कार्याध्यक्ष मिठालाल पगारिया की उपस्थिति रही। मंच संचालन संतोष पगारिया ने किया।

मन पर नियंत्रण रखना आवश्यक : वीरेंद्रमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के सैदापेट स्थित बाजार रोड पर एसएस जैन संघ स्थानक में विराजित श्री वीरेन्द्र मुनिजी म सा ने कहा कि भगवान महावीर स्वामी जग कल्याण के लिए एवं जिनशासन की प्रभावना करते हुए मोक्ष मार्ग का रास्ता बताया। जो सुखविपाक सूत्र में 12व्रतों का पालन करते हुए श्रावक मोक्ष मार्ग की ओर कदम रख सकते हैं। आगे गुरुदेव ने प्रवचन में व्रतों के विगय – महा विग्रह का विवरण देते हुए कहा कि 5 प्रकार के विग्रह होते हैं और 4 प्रकार के महाविग्रह होते हैं जिसका हर एक श्रावक श्राविकाओं को पालन करना चाहिए। महाविग्रह में शहद, शराब, मांस मदिरा को बताया गया है। जिसका सेवन जिन श्रावक श्राविकाओं को नहीं करना चाहिए। यह महापाप के श्रेणी में आता है। यह जानकारी मंत्री राजेंद्र लुंकड़ ने दी है।

तप के बिना आत्म सिद्धि प्राप्त नहीं होती : मुनि पुलकित कुमार

मासखमण तप अभिनंदन समारोह का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ भवन गांधीनगर में चातुर्मासार्थ विराजित मुनि डॉ पुलकित कुमार जी व आदित्य कुमार जी के सान्निध्य में मधुबाला सेठिया द्वारा 27 दिन की तपस्या करने के उपलक्ष्य में मासखमण तप अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन तेरापंथी सभा द्वारा किया गया। मुनिश्री ने कहा कि जैन धर्म में तपस्या का विशेष महत्व है, चाहें तीर्थंकर हो, चाहे साधु या सामान्य गृहस्थ श्रावक, सभी के लिए तप करना आवश्यक माना गया है। तप के बिना आत्म सिद्धि प्राप्त नहीं होती। मुनि श्री ने आगे कहा अनित्य भावना भाते हुए व्यक्ति धर्म में आगे बढ़ता है । तपस्या जैसे कठिन कार्य को भी आसानी से कर सकता है। तपस्या बिना उत्साह और मनोबल के संभव नहीं होती। मुनिश्री ने कहा कि मधुबाला सेठिया ने उच्च मनोबल का परिचय देते हुए एक महीने की बड़ी तपस्या गुरु आशीर्वाद से पूर्ण करने जा रही है। मुनि आदित्य कुमारजी ने कहा कि इस वर्ष गांधीनगर तेरापंथ भवन में चतुर्मासिक धर्मोत्सव के अंतर्गत बड़ी संख्या में तपस्या गतिमान है।

तेरापंथ सभा द्वारा तपस्वी का सम्मान किया। कार्यक्रम का संचालन सभा के मंत्री विनोद छाजेड़ ने किया एवं 16 अगस्त से दो दिवसीय प्रेक्षाध्यान शिविर की सूचना दी एवं बैनर अनावरण किया। मुनिश्री ने तेरापंथ महिला मंडल गांधीनगर द्वारा आयोजित इतिहास तत्वबोध प्रतियोगिता में उच्च अंक प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों की घोषणा की। इस अवसर पर सभा के अध्यक्ष पारसमल भंसाली सहित अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित थे।

आत्मा पर श्रद्धा रखने वाला परमात्मा बन सकता है : साध्वी इन्दुप्रभा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत राष्ट्रमत। स्थानीय श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में साध्वी श्री इंदुप्रभा जी ने कहा कि आत्मवादी लोक पर विश्वास करता है। लोक पर विश्वास करने वाला कर्म पर विश्वास करता है और कर्म पर विश्वास करने वाला क्रिया पर विश्वास करता है। शरीर वादी खाओ, पीओ और मौज करो की नीति पर जीता है। हम आत्मा पर विश्वास करें। आत्मा अनंतबली है। हम पुरुषार्थ करते रहे क्योंकि कल नहीं बल्कि पल का भी भरोसा नही है। आत्मा पर श्रद्धा रखने वाला परमात्मा बन सकता है। हम दृढ़ धर्मी बने।

मोह से मुंह मोड़ लेना ही मोक्ष है : साध्वी अणिमाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जयनगर संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित उपप्रवर्तिनी कंचनकंवरजी के सान्निध्य में साध्वी अणिमाश्रीजी ने कहा कि मोह से मुंह मोड़ लेना ही मोक्ष है, इसलिए संसार उदासीन भाव रखे। जहां राग होता है वहां द्वेष भी होता है। राग व द्वेष से विरक्ति ही मुक्ति है। ज्ञानी कहते है कि हमें जिनशासन को पाकर जिन बनना है, जिनेश बनना है।

यह जिन बनने का मार्ग सिर्फ जैन धर्म में ही बतलाया गया है। सबसे पहले हम जन से जिन बने। जैन सिद्धांतों को अपनाएं। इस संसार में अहं करने जैसा कुछ है ही नहीं। सब कुछ नश्वर है। क्षणिक एवं विनाशशील है। जो उत्पन्नशील है, वो नष्ट होता भी है।

साध्वीश्री दिव्ययशाजी ने कहा कि जीवन में जो भी है, उसे पचाना सिखना चाहिए। पैसा बढ़ने पर दिखावा बढ़ता है, इन्सान चार चोटी पचा सकता है किंतु बात को नहीं पचा सकता है, तो चुगली बढ़ती है। साध्वीश्री ने कहा कि संसार में ऐसी कोई शक्ति नहीं है, जो पुण्य के उदय काल में पुण्यवान का कोई बाल बांका कर सके और पाप के उदयकाल में आपको बचा सके। इसलिए इन्सान पुण्य का बंध हो, वैसा सतत प्रयास करे। जो आत्मा के लिए जीता है, वह शुभ पुण्य है और संसार व स्वार्थ के लिए,जीता है वह पाप है।

जगत में आत्मा एवं परमाणु दो ही है, किसी को शांति दी है तो पुण्य के परमाणु इकट्ठे होते है और दुःख दिया है तो पाप के परमाणु संचित होते है। अत: जीवन में किसी को भी दुःख न दे, साता पहुंचाए तो हमें भी सुख की ही अनुभूति होगी। प्रचार प्रसार मंत्री सागर बाफना ने साध्वीश्री कंचनकंवर जी के 65वें जन्मदिन पर त्रिदिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। संघ के मंत्री पदमचन्द बोहरा ने संचालन किया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Aditya at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.

Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.